website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 75 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 24 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

सुरक्षा हटाने पर भड़के पप्पू यादव, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

नई दिल्ली । पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अपनी सुरक्षा हटाए जाने को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सुरक्षा हटाकर अपराधियों को उन्हें

नुकसान पहुंचाने का खुला संदेश दिया गया है। यादव ने कहा कि उन्हें Y श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी और इसमें सरकार की कोई विशेष कृपा नहीं थी, फिर भी बार-बार उनकी सुरक्षा वापस ली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मधेपुरा में उनकी सुरक्षा कम की गई, फिर पूर्णिया में तैनात एसएलआर गार्ड हटाए गए और अब बीएमपी सुरक्षा भी अचानक हटा ली गई। पप्पू यादव ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की है और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह सदन में गृहमंत्री से मिलकर अपनी सुरक्षा बहाल करने की मांग करेंगे। गौरतलब है कि 6 फरवरी 2026 को उन्हें पटना स्थित उनके आवास से 31 साल पुराने गर्दनीबाग मामले में गिरफ्तार किया गया था। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें इंदिरा गांधी आयुर्वेद संस्थान और बाद में पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में अदालत से उन्हें जमानत मिल गई थी।

'मिनी जामताड़ा' में 34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 आरोपी फरार

- मथुरा में 240 पुलिसवालों के साथ पहुंचे एसपी, 20 गाड़ियों के पहुंचने से हड़कंप

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के 'मिनी जामताड़ा' में साइबर ठगों को पकड़ने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाड़ियों से पुलिसकर्मियों के साथ

एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाड़ियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है।

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

- 5 जवानों की हो गई मौत, 3 जवानों की हालत नाजुक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन

अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास सुबह के समय हुई। पुलिस की बोलेरो ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह पिचक गई, जिससे उसमें सवार पांच कर्मियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा का निधन हुआ है।

'भजनलाल सरकार में 11 हजार बलात्कार', विधानसभा में बीकानेर हत्याकांड का जिक्र कर टीकाराम जूली जमकर दहाड़े

जयपुर।

राजस्थान की राजनीति से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। क्या दान-पुण्य के काम में भी अब धर्म और वोट देखे जाएंगे? टोंक के पूर्व बीजेपी सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो मुस्लिम महिलाओं से उनका नाम पूछकर उन्हें दिए गए कंबल वापस छीनते नजर आ रहे हैं।

यह पूरा हैरान करने वाला मामला टोंक जिले के निवाई क्षेत्र का है। रविवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे करेड़ा बुजुर्ग गांव के सीताराम जी मंदिर परिसर में पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया कंबल बांट रहे थे। बुजुर्ग महिला सकुरान, रजिया और जुबैदा जमी का आरोप है कि उन्हें पहले कंबल दे दिया गया था, लेकिन जब पता चला कि वे मुस्लिम हैं, तो उनसे कंबल वापस ले लिया गया।

दरअसल, कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद ने एक महिला से उसका नाम पूछा। जैसे ही महिला ने अपना नाम 'सकुरान खान' बताया, जौनापुरिया भड़क गए। उन्होंने सरेआम कहा कि जो लोग मोदी को गाली देने वाले हैं, उन्हें ये कंबल लेने का कोई हक नहीं है। उन्होंने महिला को झिड़कते हुए कहा- "हट एक तरफ, कंबल यहीं छोड़ दो"। इतना ही नहीं, जब वहां मौजूद कुछ लोगों ने इस पर ऐतराज जताया, तो जौनापुरिया ने साफ कह दिया कि उन्हें किसी बहस की जरूरत नहीं है।

जब इस पूरी घटना पर विवाद बढ़ा, तो पूर्व सांसद जौनापुरिया ने बड़ी ही बेबाकी से अपनी इस हरकत का बचाव किया। उनका जो बयान सामने आया है, उसमें उन्होंने कहा है कि- "यह कोई सरकारी स्कीम नहीं थी, हमारा पर्सनल कार्यक्रम था। हमारी मर्जी के अनुसार वितरण किया गया है और इसमें कोई बड़ी बात नहीं है"।

एक तरफ जहां पूर्व सांसद ने धर्म के नाम पर महिलाओं को जलील किया, वहीं दूसरी तरफ रात होते-होते इस मुद्दे ने सियासी रंग ले लिया। रविवार रात साढ़े आठ बजे कांग्रेस नेता विक्रम चौधरी और गांव के पूर्व सरपंच ने उन पीड़ित मुस्लिम महिलाओं का सम्मान किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है और यहां वोटों की राजनीति से कोई मतलब नहीं होना चाहिए।

पूर्व सांसद की इस हरकत ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। क्या एक जन प्रतिनिधि को इस तरह का व्यवहार शोभा देता है? क्या अब मदद करने से पहले इंसान का नाम और उसका वोट बैंक पूछा जाएगा?

जयपुर में खौफनाक वारदात! चाकू मारकर हत्या

- पुलिस ने परिजनों पर ही भांजी लाठियां, CCTV खंगाल रही टीमें

जयपुर।

राजधानी जयपुर में बदमाशों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसकी एक खौफनाक तस्वीर भट्टाबस्ती इलाके से सामने आई है। सरेराह एक युवक को चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया गया। और जब खून से लथपथ बेटे के लिए परिजन इंसाफ मांगने पुलिस थाने पहुंचे, तो उन्हें सांत्वना देने के बजाय पुलिस की लाठियां खानी पड़ीं।

गुलाबी नगरी का भट्टाबस्ती इलाका रविवार देर रात चाकुओं के वार और चीख-पुकार से दहल उठा। आपसी रंजिश के चलते एक युवक की सरेराह ताबड़तोड़ चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह खौफनाक वारदात रविवार रात करीब ग्यारह बजे की है। मृतक युवक का नाम आदिल बताया जा रहा है। आदिल अपने घर के पास ही मौजूद था, तभी मुख्य आरोपी अरबाज अपने कुछ साथियों के साथ वहां आ धमका। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इससे पहले कि आदिल कुछ समझ पाता, हमलावरों ने उस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। खून से लथपथ आदिल को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस हत्या के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। आदिल की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में गुस्साए लोग और परिजन भट्टाबस्ती थाने के बाहर जमा हो गए। वे आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। भीड़ का आक्रोश बढ़ता देख पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। स्थिति को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग यानी लाठीचार्ज करना पड़ा। मृतक के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जब वे अपने बच्चे के लिए न्याय मांग रहे थे, तब पुलिस ने संवेदना दिखाने के बजाय उन पर लाठियां भांजी। वहीं, पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था।

वारदात की सूचना मिलते ही एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह शेखावत और एसीपी सुरेंद्र सिंह चौधरी भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि घटनास्थल से साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और हमलावरों के भागने के रूट का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अरबाज एक शातिर अपराधी और हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस की शुरुआती जांच में यह मामला पुरानी रंजिश का लग रहा है। लेकिन सरेआम हुई इस हत्या और उसके बाद पुलिस के लाठीचार्ज ने सिस्टम पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या राजधानी में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं बचा है?

राजस्थान में बदला मौसम, तीन जिलों में बारिश

जयपुर।

राजस्थान में 5 दिन बाद फिर से मौसम बदल गया। जयपुर और टोंक में सुबह रुक-रुककर बरसात हुई। अलवर में दोपहर बाद बूंदाबांदी हुई। बारिश के साथ चली हवा के कारण ठंडक भी बढ़ गई।

मौसम एक्सपर्ट के अनुसार जयपुर के साथ कोटा, उदयपुर सहित कई जिलों में बदले मौसम का असर रहेगा। इन इलाकों में भी बादल छाए।

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार कम पश्चिमी विक्षोभ आने और बारिश नहीं होने से राजस्थान में इस बार समय से पहले गर्मी आ सकती है।

आशंका है कि मार्च के पहले सप्ताह में होली के दौरान तेज गर्मी रह सकती है। इस दौरान कुछ शहरों का दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस या उससे भी ऊपर तक दर्ज हो सकता है।

जयपुर में हवा में ठंडक, रिमझिम बरसात

सोमवार सुबह जयपुर, दौसा सहित कई जिलों में बादल छाए। हल्की ठंडी हवा के कारण सर्दी भी महसूस हुई। सुबह करीब 7 बजे से शहर के मालवीय नगर, सीकर रोड सहित कई एरिया में रुक-रुककर बरसात हुई। जयपुर जिले के चौमूं में करीब 15 मिनट तक तेज बरसात हुई। वहीं, टोंक के निवाई क्षेत्र में भी सुबह करीब 20 मिनट तक तेज बरसात हुई। दोपहर बाद अलवर में बूंदाबांदी हुई।

33 डिग्री तक पहुंचा दिन का तापमान

पिछले 24 घंटे में आसमान साफ रहा और धूप रही। जयपुर, अजमेर, बीकानेर, भरतपुर और जोधपुर संभाग के एरिया में दिन में तेज धूप रहने से अधिकांश शहरों का अधिकतम तापमान 29 डिग्री से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ।

जबकि कोटा, उदयपुर संभाग के एरिया में रविवार दोपहर बाद आसमान में हल्के बादल छाने से धूप थोड़ी कमजोर रही। रविवार को दिन का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज हुआ।

बिहार में नर्सिंग स्टाफ की कमी बहुत जल्द होगी दूर

- हर जिले में खोले जाएंगे जीएनएम और पारा मेडिकल कॉलेज, प्रमंडल में एएनएम

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी को दूर करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 9 प्रमंडलों में एक-एक एएनएम प्रशिक्षण संस्थान, सभी जिलों में एक-एक जीएनएम संस्थान खोले जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में एक पारा मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की भी योजना है। सात निश्चय-तीन के तहत इस महत्वाकांक्षी योजना को वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू करने का निर्णय लिया गया है। लक्ष्य है कि एक वर्ष के भीतर इन संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि जल्द से जल्द प्रशिक्षण कार्य शुरू हो सके।

अब जॉइंट थिएटर कमान से ऑपरेट होंगी तीनों सेनाएं

ऑपरेशन सिंदूर में पहली बार दिखा था कम्पलीट इंटीग्रेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सैन्य ढांचे में अब तक के सबसे बड़े बदलाव का खाका तैयार हो चुका है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना अब संयुक्त थिएटर कमान के तहत काम करेंगी। संयुक्त थिएटर कमान पर 5 साल से मंथन जारी था। नया ढांचा 3 महीने में औपचारिक रूप से सामने आ जाएगा। इससे भारत के पास किसी भी सैन्य संघर्ष से निपटने के लिए इंटीग्रेटेड, फास्ट और जॉइंट कमांड इन्फ्रास्ट्रक्चर रहेगा। निर्णय लेने में 60-70 फीसदी तक तेजी आएगी। वहीं, 15-20 फीसदी तक संसाधनों की भी बचत होगी। पाकिस्तान और चीन दोनों मोर्चों पर तैयारी और बेहतर होगी। गौरतलब है कि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देशों में सैन्य तंत्र संयुक्त थिएटर कमान के तहत ही ऑपरेट करता है। चीन में 5 जबकि अमेरिका में 11 कमान हैं। सैन्य सूत्रों के अनुसार, एक दशक में पाकिस्तान और चीन के साथ हुए 5 टकरावों से मिले कौशल, चुनौतियों और खामियों को फिल्टर कर नया ढांचा तैयार किया है। इनमें, पाकिस्तान के खिलाफ 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में 88 घंटे चला ऑपरेशन सिंदूर।

आजादी के बाद सबसे बड़ा सैन्य सुधार

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसएल नरसिम्हन के मुताबिक- यह 1947 के बाद सबसे बड़ा सैन्य ओवरहॉल है। मई 2026 में पहली थिएटर कमान सक्रिय होने पर हमारी सेनाएं न सिर्फ जॉइंट होंगी, बल्कि थिएटर-रेडी भी होंगी। ठीक ऑपरेशन सिंदूर के 88 घंटों की तरह।

- घाटी के किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ में 2 जैश आतंकवादी ढेर

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो आतंकी मारे गए हैं। रविवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। अधिकारियों ने बताया कि दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सेना के जवानों ने चतरू के जंगलों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हुई। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बल को घिरे हुए क्षेत्र में भेज दिया गया है और आगे की जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। बर्फ से ढके चतरू वन क्षेत्र में पिछले महीने आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच लगभग आधा दर्जन गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक सैनिक बलिदान हुआ और एक आतंकवादी मारा गया था।

व्हाइटनाइट कोर के जवानों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में किश्तवार के पासेरकुट इलाके में आतंकवादियों से मुठभेड़ की। गोलीबारी जारी है। सैनिकों ने इलाके को घेर लिया है,बयान में ऐसा कहा गया है।

तमिलनाडु-बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

हमले की साजिश थी, आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से कनेक्शन

तिरुप्पुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद

लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकियों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोपी है। इसके अलावा दिल्ली में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर लगाने में भी शामिल होने का शक है। सभी को ट्रेन से दिल्ली लाया जा रहा है। एक दिन पहले ही केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने देश के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर टेरर अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसके बाद दिल्ली में लाल किला, चांदनी चौक में सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

केंद्र सरकार ने AI से तैयार कंटेंट के लिए नियम कड़ा किया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने डीपफेक और AI से तैयार कंटेंट के लिए डिजिटल नियमों को कड़ा कर दिया है। तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए इसकी सख्त जरूरत थी। ऑडियो, विडियो और तस्वीरों से छेड़छाड़ व फर्जी कंटेंट सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ-साथ आम लोगों व देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं।

नियंत्रण मकसद नहीं। सोशल मीडिया पर कोई भी नियम लागू करने पर सबसे पहले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सवाल उठाया जाता है, कि सरकार कहां तक निगरानी कर सकती है। इस लिहाज से नए नियम महत्वपूर्ण हैं, इनमें नियंत्रण से ज्यादा नियमन को तरजीह दी गई है। मकसद है, देखने वालों को असली और नकली के बीच का फर्क पता रहे, ताकि उसका इस्तेमाल किसी गलत काम के लिए न हो सके। कंपनियों की जिम्मेदारी। नए नियमों के मुताबिक, AI से तैयार कंटेंट पर हर हाल में लेबलिंग होनी चाहिए। यह भी जरूरी है कि कंटेंट आया कहां से है और अगर कोई सामग्री गैरकानूनी है तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाना होगा। सरकार ने नियमों के पालन के लिए तय समय-सीमा भी घटाई है। ऑनलाइन चीजें जिस तेजी से वायरल होती हैं, उसे देखते हुए जरूरी था कि एक्शन की रफ्तार भी बढ़ाई जाए। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म और उनके सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी डाली गई है, जो बिल्कुल ठीक है। ये कंपनियां हर बात में यूजर राइट्स और प्राइवेसी की आड़ लेकर बच नहीं सकतीं, उनकी भी जवाबदेही तय होना जरूरी है। तकनीक की चुनौतियां। भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा सोशल मीडिया यूजर मौजूद हैं और 86% से ज्यादा घरों तक इंटरनेट पहुंच चुका है। डिजिटल इंडिया आज तरक्की का संकेत है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। डीपफेक और AI के जरिये ऑडियो-विडियो में छेड़छाड़ ऐसी ही एक गंभीर चुनौती है। सरकार से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। साल 2024 में साइबर क्राइम के 22.68 लाख केस सामने आए थे। कई सेलेब्स शिकायत कर चुके हैं कि उनकी तस्वीरों-विडियो का इंटरनेट पर गलत इस्तेमाल हुआ। समिट से उम्मीदें। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का विस्तार अभी शुरू हुआ है। इसके साथ देशों की राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था - सब कुछ नए ढंग से आकार ले रहा है। नई दिल्ली में अगले हफ्ते से AI समिट होना है, जिसमें इस फील्ड के दिग्गज शामिल होंगे। सरकार के इंडिया AI मिशन की सफलता के लिए यह सम्मेलन बेहद अहम है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026

क्या एआई बदल देगी सबकुछ?

एआई इम्पैक्ट समिट ने ये साफ़ संदेश दिया है कि भारत इस दौड़ में पीछे रहने वाला नहीं है। ये समिट केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और भविष्य की स्पष्ट दिशा का संकेत था। यह आयोजन इंडिया एआई मिशन के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य देश में एआई के शोध, विकास और उपयोग को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने देश में डिजिटल ढांचा मजबूत किया है। अब एआई को उसी प्रक्रिया का अगला और महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। समिट में नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत, स्टार्टअप और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने मिलकर यह विचार किया कि भारत एआई का उपयोग किस प्रकार व्यापक जनहित में कर सकता है। इस समिट की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि भारत ने एआई को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया। सरकार ने साफ कहा कि एआई का विकास जिम्मेदारी के साथ होगा। इसका मतलब है कि डेटा की सुरक्षा, लोगों की निजता और पारदर्शिता से समझौता नहीं किया जाएगा। तकनीक का उपयोग मानव हित में होना चाहिए, न कि केवल मुनाफे के लिए। यह सोच भारत को एक संतुलित और जिम्मेदार तकनीकी राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करती है...

एआई इम्पैक्ट समिट ने ये साफ़ संदेश दिया है कि भारत इस दौड़ में पीछे रहने वाला नहीं है। ये समिट केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और भविष्य की स्पष्ट दिशा का संकेत था। यह आयोजन इंडिया एआई मिशन के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य देश में एआई के शोध, विकास और उपयोग को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने देश में डिजिटल ढांचा मजबूत किया है। अब एआई को उसी प्रक्रिया का अगला और महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। समिट में नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत, स्टार्टअप और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने मिलकर यह विचार किया कि भारत एआई का उपयोग किस प्रकार व्यापक जनहित में कर सकता है। इस समिट की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि भारत ने एआई को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया। सरकार ने साफ कहा कि एआई का विकास जिम्मेदारी के साथ होगा। इसका मतलब है कि डेटा की सुरक्षा, लोगों की निजता और पारदर्शिता से समझौता नहीं किया जाएगा। तकनीक का उपयोग मानव हित में होना चाहिए, न कि केवल मुनाफे के लिए। यह सोच भारत को एक संतुलित और जिम्मेदार तकनीकी राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करती है। समिट में स्टार्टअप और युवाओं की भागीदारी भी उत्साहजनक रही। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और वित्त जैसे क्षेत्रों में भारतीय युवाओं ने एआई आधारित समाधान प्रस्तुत किए। यह दिखाता है कि भारत केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि तकनीक बनाने वाला देश बन रहा है। यदि इन नवाचारों को सही दिशा और सहयोग मिले, तो भारत वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है। एक महत्वपूर्ण बात यह रही कि एआई को केवल महानगरों तक सीमित रखने की सोच नहीं दिखाई दी। भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक डिजिटल सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया गया। यह भारत की वास्तविक जरूरतों को समझने का प्रमाण है। जब तकनीक आम आदमी की भाषा में उपलब्ध होगी, तभी उसका सही लाभ मिलेगा। रोजगार को लेकर उठने वाली चिंताओं पर भी समिट में चर्चा हुई। एआई कुछ पारंपरिक नौकरियों को बदल सकता है, लेकिन यह नए अवसर भी पैदा करेगा। जरूरत इस बात की है कि युवाओं को नए कौशल सिखाए जाएं। इस दिशा में निति आयोग और मिनिस्ट्री ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी की भूमिका अहम मानी जा रही है। यदि शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल बनाया जाए, तो भारत अपनी युवा शक्ति को एआई युग के लिए तैयार कर सकता है। समिट ने यह भी संकेत दिया कि भारत डिजिटल आत्मनिर्भरता की ओर गंभीरता से बढ़ रहा है। एआई के लिए जरूरी कंप्यूटिंग ढांचे, डेटा सेंटर और शोध संस्थानों के विकास पर बल दिया गया। यह जरूरी है, क्योंकि भविष्य की अर्थव्यवस्था डेटा और तकनीक पर आधारित होगी। यदि भारत इस क्षेत्र में मजबूत होता है, तो वह न केवल अपने नागरिकों की जरूरतें पूरी करेगा, बल्कि दुनिया को भी समाधान दे सकेगा। यह समिट इसलिए भी याद रखा जाएगा क्योंकि इसमें केवल बातें नहीं हुई, बल्कि ठोस दिशा तय की गई। सरकार, उद्योग और शिक्षाविदों का एक साथ आना इस बात का संकेत है कि भारत एआई को लेकर गंभीर है। यह आयोजन भारत की उस सोच को दर्शाता है जिसमें तकनीक को विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता का साधन माना गया है। आज आवश्यकता है कि समिट में व्यक्त संकल्प जमीन पर उतरें। योजनाएं कागज से निकलकर प्रयोगशालाओं, उद्योगों और गांवों तक पहुंचें। यदि ऐसा होता है, तो आने वाले वर्षों में भारत एआई के क्षेत्र में एक मजबूत और सम्मानित शक्ति के रूप में उभरेगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ने यह विश्वास जगाया है कि भारत तकनीकी बदलावों से घबराने वाला देश नहीं, बल्कि उन्हें अपनाकर आगे बढ़ने वाला राष्ट्र है। यह आत्मविश्वास ही भविष्य के भारत की असली ताकत है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई मशीनों की वह क्षमता है, जो आमतौर पर मानव बुद्धि की आवश्यकता वाले कामो को पूरा करने में सक्षम बनाती है। यह प्रणालियों को अनुभव से सीखने, नई परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित होने और जटिल समस्याओं का स्वतंत्र समाधान खोजने में सक्षम बनाती है। यह प्रणालियों को अनुभव से सीखने, नई परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित होने और जटिल समस्याओं का स्वतंत्र समाधान खोजने में सक्षम बनाती है। एआई डेटासेट, एल्गोरिद्म और लार्ज लैंग्वेज मॉडल का इस्तेमाल करके जानकारी का विश्लेषण करती है, पैटर्न की पहचान करती है और प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करती है। समय के साथ, ये प्रणालियाँ अपनी कार्यकुशलता में सुधार करती हैं, जिससे वे तर्क कर सकती हैं, निर्णय ले सकती हैं और मानवों के समान संवाद कर सकती हैं।

कला बनाम समुदाय

अम्बरीष प्रजापति

फिल्म 'घूसखोर पंडित' विवाद और अभिव्यक्ति

भारतीय सिनेमा और विवादों का चोली-दामन का साथ रहा है, लेकिन हाल ही में नेटफ्लिक्स पर आने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडित' के नाम पर मचे बवाल ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आर्टिकल 19(1)(a) की सीमाओं को एक बार फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है। फिल्म के शीर्षक को लेकर न केवल सामाजिक विरोध हुआ, बल्कि देश की सर्वोच्च अदालत को भी इस मामले में हस्तक्षेप करना ही पड़ा। फिल्म के निर्माता नीरज पांडे और मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेयी की इस फिल्म का शीर्षक जैसे ही सार्वजनिक हुआ। ब्राह्मण समुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया। जनता की भावना यह थी कि 'घूसखोर' जैसे नकारात्मक विशेषण को एक विशिष्ट जाति सूचक शब्द पंडित के साथ जोड़ना पूरे समुदाय की छवि को धूमिल करने और रूढ़िवादिता को बढ़ावा देने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अलावा कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन भी हुए। यहां तक कि एफआईआर भी दर्ज की गई।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए फिल्म निर्माताओं को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां करते हुए स्पष्ट कहा कि किसी भी समुदाय को नीचा दिखाने वाला शीर्षक नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ है। जस्टिस नागरत्ना ने याद दिलाया कि हमारे संविधान निर्माताओं ने विविधता के बीच भाईचारे की अवधारणा रखी थी, जिसे कला के नाम पर खंडित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने दो टूक कहा कि जब तक शीर्षक नहीं बदला जाता, फिल्म रिलीज नहीं होगी। उसके बाद अभी ताजा सुनवाई में फिल्म निर्माताओं ने अदालत में हलफनामा दायर कर सूचित किया कि उन्होंने 'घूसखोर पंडित' शीर्षक को पूरी तरह वापस ले लिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि फिल्म से संबंधित सभी पुराने प्रोमोशनल मटेरियल हटा दिए गए हैं और नया नाम ऐसा होगा जो पुराने नाम से मिलता-जुलता नहीं होगा। इस आश्वासन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

यह विवाद फिल्म सेंसर बोर्ड और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ओटीटी के नियमों पर भी सवाल उठाता है। आमतौर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों को सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 के तहत कड़े दौर से गुजरना पड़ता है, लेकिन ओटीटी सामग्री को लेकर नियम थोड़े अलग हैं। क्या ओटीटी प्लेट फॉर्म्स को भी फिल्मों की तरह सेंसर बोर्ड के कड़े दायरे में आना चाहिए? यह विवाद कोई पहली बार नहीं है इससे पहले भी पद्मावत, लक्ष्मी, सत्य प्रेम की कथा, बिल्लू बार्बर, रामलीला, मेंटल है क्या, लवरात्रि, पृथ्वीराज और सिंह साहिब द ग्रेट जैसी कई फिल्मों के समय भी हुआ था। धार्मिक प्रतीकों, नाम के गलत इस्तेमाल या सामुदायिक भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के दावों के चलते दबाव में इन फिल्मों के नाम बदलने पड़े थे।

"फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन और जागरूकता होना चाहिए। जब कला विवादों की ढाल बनकर किसी की भावनाओं को आहत करती है, तो वह अपनी मौलिकता खो देती है। 'घूसखोर पंडित' विवाद भारतीय फिल्मकारों के लिए एक चेतावनी भी है और जिम्मेदारी का पाठ भी।"

विवाद के बाद फिल्म के ट्रेलर री-एडिट करने, डिजिटल मार्केटिंग से पुराने नाम के लिंक हटाने और नई ब्रांडिंग करने में आने वाला भारी खर्च का नुकसान होना। विवादों में आने से फिल्म की नेगेटिव पब्लिसिटी से कई बार बड़े ब्रांड्स विज्ञापन से हाथ खींच लेते हैं जिसके कारण भारी आर्थिक नुकसान का खामियाजा झेलना पड़ता है। इसलिए फिल्म निर्माताओं को फिल्म की घोषणा से पहले ही 'सोशल ऑडिट' या कानूनी सलाह लेनी चाहिए ताकि बाद में होने वाले आर्थिक नुकसान व विवाद से बचा जा सके।

सिनेमा समाज का दर्पण है, लेकिन दर्पण को ऐसा नहीं होना चाहिए जो किसी वर्ग विशेष की छवि को विकृत ही कर दे। घूसखोर पंडित विवाद यह सीख देता है कि क्रिएटिव फ्रीडम का अर्थ 'जिम्मेदारी से मुक्ति' नहीं है। कला तभी सार्थक है जब वह समाज को जोड़ने का काम करे, न कि विवादों के जरिए सुर्खियां बटोरने का। फिल्म की सफलता उसके शीर्षक के विवाद में नहीं, बल्कि उसकी कथावस्तु में होनी चाहिए। यदि कहानी दमदार है, तो नाम बदलने से उसकी आत्मा नहीं मरती। फिल्मकारों को अब समझना होगा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में 'अभिव्यक्ति' और 'संवेदनशीलता' को एक ही पटरी पर साथ चलना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लोकहित में त्याग करने वाले ही बनते हैं संत

संकलित

दर्शन

सब कुछ क्षणिक होते हुए भी इस जगत की अनंत यात्रा का कभी अंत नहीं होता। यह अनवरत गतिमान रहती है। वास्तव में त्याग की पवित्र भावना ही इसकी गतिशीलता और जीवंतता का कारण है। इसलिए जिन गुणों से मानव जीवन महान बनता है, त्याग उनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जैसे-शीतलता के बिना जल, दाहकता के बिना अग्नि, स्पर्श के बिना वायु का कोई अस्तित्व नहीं। उसी प्रकार त्याग के बिना मानव जीवन का कोई मूल्य नहीं, परंतु त्याग वही सार्थक है, जो परार्थ के लिए हो। स्वार्थ के लिए त्याग तो पशु-पक्षी भी करते हैं। इसीलिए निःस्वार्थ भाव से लोकहित में त्याग करने वाले मानव संत बन जाते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में त्याग को शांति का प्रदाता कहा गया है, परंतु इसके विलक्षण आनंद का अनुभव कोई विरला ही कर सकता है। वस्तुतः त्याग का जन्म उदारता से होता है, क्योंकि औदार्य भाव ही मनुष्य को स्वार्थ और मोह से मुक्तकर परार्थ के लिए प्रेरित करता है। इसलिए उदारता का भाव जिसमें जितना प्रबल होगा, त्याग की भावना भी उतनी ही प्रबल होगी। कल्पना कीजिए कि महर्षि दधीचि में उदारता का भाव कितना प्रबल रहा होगा, जिससे उन्होंने जीवित रहते ही लोक कल्याणार्थ शरीर त्याग करने का निर्णय लिया। कर्ण ने यह जानते हुए भी कि जीवन रक्षक कवच का दान करने से उसके प्राणों पर संकट निश्चित है, उसे सहर्ष काटकर याचक को समर्पित कर दिया। उदारता के बिना यह कदापि संभव नहीं था।

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

संकलित

प्रेरणा

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूंढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछा- दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोले- देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं- देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोले- देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूं। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूं। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूं। इन्द्र बोले- देवी! आप असुरों के यहां निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहां सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों। लेकिन असुर भ्रष्ट हो रहे हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

शिक्षण संस्थानों में फूहड़ मनोरंजन

विद्यालय किसी भी राष्ट्र की आत्मा का निर्माण करते हैं। यही वे स्थान हैं जहां से समाज की दिशा तय होती है और आने वाली पीढ़ियों के विचार, मूल्य तथा व्यवहार गढ़े जाते हैं। एक सभ्य समाज की पहचान उसके विद्यालयों से होती है, क्योंकि यहीं बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का बोध कराया जाता है। ऐसे में यदि विद्यालय परिसरों में अशोभनीय गीतों पर नृत्य, फूहड़ मनोरंजन और मर्यादाविहीन प्रस्तुतियां सामने आती हैं, तो यह केवल किसी एक संस्था की चूक नहीं, बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे दृश्य सामने आए हैं जहां विद्यालयों में फूहड़ मनोरंजन के किस्से सामने आए।

- विवेक चौबे, रायपुर

करंट अफेयर

वेनेजुएला की आम माफी योजना में रिहा होंगे कैदी

वेनेजुएला में राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए कम से कम 1,557 लोगों ने इस सप्ताह पारित हुए माफी विधेयक के तहत अपने आवेदन जमा कर दिए हैं और उनके रिहा होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार को पारित किए गए इस कदम से विपक्षी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार रक्षकों, पत्रकारों और महीनों या वर्षों से हिरासत में रखे गए कई अन्य लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने एक तरह से यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा हुआ है। राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि इससे पहले दक्षिण अमेरिकी देश के अधिकारी दशकों से किसी राजनीतिक कैदी को हिरासत में रखे जाने की बात से इनकार करते रहे हैं। यह पिछले महीने देश की राजधानी काराकस में तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अमेरिकी सेना की कार्रवाई के बाद नीति में आया नवीनतम बदलाव है। 'नेशनल असेंबली' के नेता जॉर्ज रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा, 'आज तक 1,152 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे कुल आवेदनों की संख्या 1,557 हो गई है जिन पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

ऑफ बीट

जाने कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें 'सुपरमैसिव' ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवत: इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

ट्रेंड

नए युग का साक्षी

आज उत्तर प्रदेश समेत पूरा देश वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के नए युग का साक्षी बन रहा है। मेरठ मेट्रो, नमो भारत ट्रेन और रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के नए सेक्शन के शुभारंभ से एनसीआर के लोगों का जीवन और अधिक सरल, सुगम एवं सुविधाजनक बनेगा। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अवैध प्रवासियों को बाहर करेंगे

अगर देश नक्सलवाद से मुक्त हो सकता है, तो घुसपैठियों से भी मुक्त हो सकता है। अवैध प्रवासियों को न केवल मतदाता सूची से हटाया जाएगा, बल्कि अगले पांच वर्षों में देश से भी बाहर किया जाएगा। नक्सलवाद को भी 31 मार्च तक पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। इससे देश लाल आतंक से मुक्त होगा। -अमित शाह, गृहमंत्री

जिम्मेदारी से बोलते हैं राहुल

राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता है। वे जिम्मेदारी से बोलते है, फेकुअली नहीं। वे तथ्यों के आधार पर बोलते है और जो भी कहते है, उसके सबूत देते है। सरकार नहीं चाहती थी कि सदन में चर्चा हो। महिला सांसदों पर आरोप लगाए गए। इसलिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। -जयराम रमेश, कांग्रेस सांसद

ममता की नीति सफल नहीं होगी

शायद ममता बनर्जी को लग रहा है इस बार चुनाव में गैर-बंगाली लोग उनकी पार्टी टीएमसी को वोट नहीं देंगे। इसीलिए वह प्रवासी बांग्लादेशी मजदूरों पर हमले का मुद्दा भुनाना चाहती है। लेकिन ममता की यह नीति सफल नहीं होगी। -अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस नेता

रॉयल पत्रिका

नगर निगम में कुत्तों की नसबंदी करने वाले ठेकेदार से मांगे 15 लाख

-4 लाख लेते कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र सिंह रंगे हाथों धरा गया
-रिश्वत मांगने वाले डॉ. योगेश शर्मा व डॉ. राकेश कलोरिया गिरफ्तार
-नगर निगम में सफाई, सड़क, भवन निर्माण अनुमति, कचरा परिवहन एवं गलियों की सफ़ाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर में आये दिन आवारा कुत्ते बच्चों एवं बड़ों को काट रहे हैं । नगर निगम ने कुत्ते पकड़ने, कुत्तों की नसबंदी करने का ठेका दे रखा है । कुत्ते पकड़ने एवं नसबंदी करने के लिए नगर निगम करोड़ों रुपए खर्च करता है । इसके बाद भी जयपुर में कुत्तों की संख्या कम होती दिखाई नहीं दे रही है । जयपुर शहर में दर्जनों बच्चे बड़े प्रतिदिन आवारा कुत्तों द्वारा काटे जा रहे हैं और अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं । आवारा कुत्तों, बंदरों, गायों की संख्या जयपुर शहर में कम नहीं होने का मुख्य कारण है भ्रष्टाचार । जयपुर नगर निगम (हेरिटेज और ग्रेटर) का बजट यदि सही तरीके से खर्च किया जाए जाए तो शहर में अच्छी सड़कें, अच्छी सफाई, बिना अतिक्रमण के गलियां सड़कें, सरकारी भवन और अच्छी सीवर लाइन दिखाई देने लगेगी । लेकिन नगर निगम को मिलने वाला बजट निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेकेदारों एवं सत्ताधारी पार्टी के राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा लूटा जा रहा है । जनता परेशान है । एंटी करप्शन ब्यूरो नगर निगम में तब ही कार्यवाही करता है, जब शिकायत की जाती है । जबकि वह किसी भी कार्य आदेश जो नगर निगम द्वारा किया गया है, यदि फिजिकल वेरीफिकेशन किया जाए तो सबकी पोल खुलकर सामने आ जाएगी।

डॉ. राकेश | डॉ. योगेश शर्मा | जितेन्द्र सिंह

4 लाख लेते रंगे हाथ पकड़ा-

एसीबी ने नगर निगम के पशु प्रबंध शाखा के डॉ. योगेश शर्मा और डॉ. कलोरिया के दलाल को 4 लाख रुपये लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। इन दोनों पशु चिकित्सकों की दलाली कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र सिंह करता था। एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी जयपुर नगर निगम प्रथम जयपुर इकाई को एक लिखित शिकायत इस आशय की मिली कि जयपुर शहर में आवारा कुत्तों के नसबंदी एवं टीकाकरण के लिए आमंत्रित निविदाओं में परिवादी को टेंडर मिला, जिस पर परिवादी द्वारा टेंडर का कार्य पूर्ण किया जाकर बिल बनाकर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय में पेश करने के उपरांत टेंडर की शर्तों के अनुसार कुत्तों से निकाले गए Uterus एवं Testicles की गणना नगर निगम हेरिटेज के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा नहीं कर रहा है तथा गणना एवं बिल फॉरवर्ड करने की एवज में सभी बकाया बिलों के 12 लाख रुपए रिश्वत की मांग कर रहा है तथा नगर निगम ग्रेटर में परिवादी द्वारा कुत्तों की नसबंदी एवं टीकाकरण के किए गए कार्यों के माह नवंबर एवं दिसंबर 2025 के बिल बनाकर नगर निगम ग्रेटर में पेश करने के उपरांत भी कुत्तों से निकल गए Uterus एवं Testicles की गणना पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कलोरिया द्वारा नहीं करने तथा बिलों को फॉरवर्ड करने के लिए 2 लाख रुपये प्रति माह कुल 4 लाख रुपए तथा 1 जनवरी 2026 से 3.5 लाख रुपए प्रति माह के हिसाब से रिश्वत की मांग की जा रही है। दोनों पशु चिकित्सा अधिकारी अपने कार्यालय के कर्मचारी जितेन सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से रिश्वत प्राप्त करना चाह रहे हैं। रिश्वत का सत्यापन करवाए जाने पर दोनों पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा कुल 15 लाख रुपए की मांग करना पाया गया। जिस पर ट्रेप टीम ने आरोपी जितेंद्र सिंह को डॉ. योगेश शर्मा और डॉ. राकेश कलोरिया के लिए परिवादी से 4 लाख रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। ब्यूरो की अन्य टीमों ने दोनों चिकित्सकों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए चिकित्सकों से पूछताछ जारी है।

नगर निगम में भ्रष्टाचार-

वैसे तो नगर निगम में एसीबी की कार्यवाही पहली बार नहीं हुई है । पहले भी एसीबी भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही कर चुकी है । नगर निगम के भ्रष्टाचार के बारे में शहर का बच्चा-बच्चा जानता है । लेकिन शिकायत कुछ एक लोग ही करते हैं । शहर में अवैध डेयरियों में लगातार कार्यवाही चलती रहती है । फिर भी अवैध डेयरी शहर में धड़ल्ले से चल रही हैं । कारण भ्रष्टाचार है । सड़कों पर, सरकारी जमीनों पर, फुटपाथ पर अतिक्रमण हो रहा है, इसका कारण भी भ्रष्टाचार है । सड़कें हर वर्ष नहीं बनती हैं, 30 प्रतिशत सड़कें कागजों में बनाकर फंड उठाया जाता है । कचरा परिवहन और हूपर से डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन में बड़ी धांधली चल रही है । शहर की गलियां कागजों में साफ हो रही है, लेकिन मौके पर मलबे और कचरे से भरी पड़ी हैं । एसीबी को बिना शिकायत भी नगर निगम में कार्यवाही करनी चाहिए । क्योंकि नगर निगम में बैठे अधिकारी एवं कर्मचारी अपने उद्देश्य और कर्तव्य से भटक रहे हैं । सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि भी भ्रष्टाचार में शामिल दिखाई दे रहे हैं । जबकि नगर निगम का कर्तव्य बनता है कि जयपुर शहर के नागरिकों को अच्छी सड़क, अच्छी साफ-सफाई एवं अच्छे परिवहन की सुविधा दी जाए ।

नाम बदला लेकिन हालात नहीं बदले

-रामनिवास बाग स्थित डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र बदहाली की मार झेल रहा है

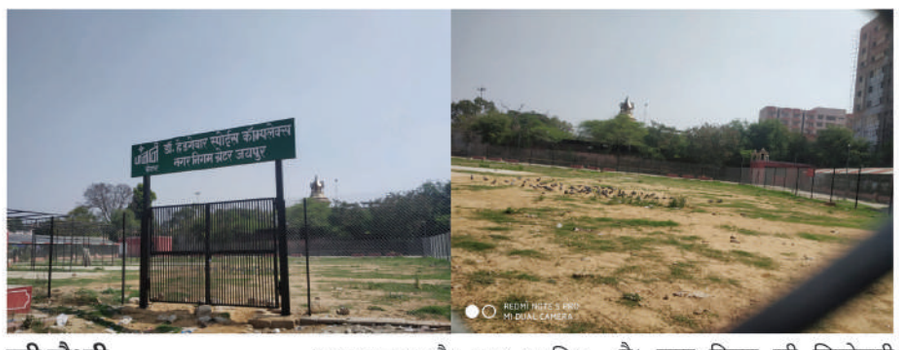

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शहर के मध्य स्थित रामनिवास बाग में बना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिसका हाल ही में नाम बदलकर डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र कर दिया गया, आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव और निगम की कथित लापरवाही का शिकार हो रहा है। पहले यह परिसर केवल "रामनिवास बाग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स" या "स्पोर्ट्स अकादमी" के रूप में जाना जाता था और इसका कोई अलग औपचारिक नाम नहीं था। नाम परिवर्तन के बाद उम्मीद की जा रही थी कि खेल सुविधाओं में सुधार होगा, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। मैदान के बाहर और आसपास कचरे के ढेर साफ दिखाई देते हैं। नियमित सफाई व्यवस्था का अभाव यहां आने वाले खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। कई जगहों पर प्लास्टिक, सूखा कचरा और अन्य अपशिष्ट फैला हुआ नजर आता है, जिससे न केवल सौंदर्य बिगड़ता है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी पैदा होते हैं। यह स्थिति तब है जब रामनिवास बाग शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में गिना जाता है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। खेल केंद्र के भीतर भी हालात संतोषजनक नहीं हैं। मैदान में समुचित रखरखाव की कमी साफ दिखाई देती है। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और दर्शकों के लिए शेड या सुरक्षित स्थान का अभाव है। पेयजल, और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं तो नदारद हैं। सवाल सिर्फ यह की क्या नाम बदलने से अधिक जरूरी है कि मैदान की वास्तविक स्थिति में सुधार किया जाए। यदि निगम और संबंधित विभाग नियमित निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित करें, तो यह मैदान शहर के युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट खेल केंद्र बन सकता है। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वह शहर के सार्वजनिक खेल स्थलों की नियमित सफाई, मरम्मत और विकास पर ध्यान दे। खेल सुविधाएं किसी भी शहर के युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो यह मैदान धीरे-धीरे उपेक्षा का शिकार होकर अपनी उपयोगिता खो सकता है। नाम परिवर्तन के साथ यदि बुनियादी ढांचे का विकास भी किया जाता, तो यह कदम वास्तव में सार्थक माना जाता। फिलहाल स्थिति यह संकेत देती है कि केवल नाम बदल देने से तस्वीर नहीं बदलती। जरूरत है ठोस कार्ययोजना, नियमित बजट आवंटन और प्रभावी निगरानी की, ताकि डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र अपने नाम के अनुरूप एक सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक खेल परिसर बन सके।

गणगौरी बाजार में 108 करोड़ की लागत से बन रहे 300 बेड का निर्माण कार्य रुका

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । गणगौरी बाजार में 108 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 300 बेड के सुपर स्पेशियलिटी मिनी एसएमएस अस्पताल की हकीकत जानने के लिए रॉयल पत्रिका की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पाया कि भवन का ढांचा लगभग तैयार है, लेकिन फिनिशिंग, उपकरण स्थापना और अंदरूनी कार्य अधूरे पड़े हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि महीनों से निर्माण स्थल पर ठोस गतिविधि दिखाई नहीं दी, जबकि यह अस्पताल परकोटे के करीब 8 लाख लोगों के लिए बड़ी राहत बनने वाला था।

108 करोड़ की घोषणा, लेकिन अधूरा सपना

वर्ष 2021 के बजट में पिछली सरकार ने इस 300 बेड के अस्पताल की घोषणा की थी। 50 करोड़ रुपये सिविल वर्क और 58 करोड़ रुपये अत्याधुनिक उपकरणों के लिए स्वीकृत किए गए। अक्टूबर 2022 में काम शुरू हुआ और दिसंबर 2023 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन जनवरी 2026 तक भी अस्पताल पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया। 28 फरवरी 2026 की नई डेडलाइन भी समाप्ति पर है, फिर भी प्रोजेक्ट अधूरा है।

300 बेड और आधुनिक सुविधाएं अब भी कागजों में

इस अस्पताल में एमआरआई, सीटी स्कैन, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और न्यूरोसर्जरी जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू होनी थीं। साथ ही ब्लड बैंक, मॉर्चरी, नवजात और गर्भवती महिलाओं के लिए आईसीयू, एनएबीएच लैब, आधुनिक इमरजेंसी, डेंटल और मानसिक रोग विशेषज्ञ की सुविधा भी प्रस्तावित थी। लेकिन दो साल से अधिक की देरी ने इन सभी सुविधाओं को अभी तक फाइलों में ही रोक रखा है।

मुख्य गेट विवाद बना अड़चन

डीपीआर के अनुसार अस्पताल का मुख्य गेट चौगान स्टेडियम की ओर खुलना था, लेकिन स्पोर्ट्स काउंसिल ने आपत्ति जता दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए गेट निर्माण रुकवा दिया गया। इसके बाद ठेकेदार ने काम रोक दिया। भवन का स्ट्रक्चर खड़ा है, मगर फिनिशिंग का काम 29 महीनों से ठप है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य के हस्तक्षेप से मामला उलझा

नई सरकार बनने के बाद स्थानीय विधायक बालमुकुंदाचार्य ने निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठाकर काम रुकवाया। जांच कमेटी बनी, रिपोर्ट में सुधार के साथ काम आगे बढ़ाने की सिफारिश भी की गई, लेकिन इसके बावजूद निर्माण दोबारा शुरू नहीं हो सका। अधिकारी भी मान रहे हैं कि विधायक के निर्देश के बिना काम आगे नहीं बढ़ेगा। इससे यह परियोजना राजनीतिक खींचतान में फंसती नजर आ रही है।

बढ़ती लागत, घटता भरोसा

लगातार देरी से लागत बढ़ने की आशंका है। पिछली सरकार ने बजट में घोषणा कर नींव रखी, लेकिन सरकार बदलने के बाद भी समय पर कार्य पूरा नहीं हो पाया। 29 महीने से बंद पड़े इस प्रोजेक्ट ने प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विभागीय समन्वय पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता के सब्र की आखिरी सीमा

परकोटे के बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज आज भी बेहतर इलाज के लिए दूर अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। 300 बेड का यह सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल यदि समय पर बन जाता, तो हजारों लोगों को राहत मिलती। अब जनता पूछ रही है—आखिर जिम्मेदारी तय कब होगी और यह अस्पताल हकीकत में कब बदलेगा?

जेडीए ने आठ बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 मे निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया की जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम माचवां, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके, सीमेन्ट के ब्लॉक की बाउण्ड्रीवाल, पिल्लर व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर शुक्रवार को जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाही उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा राहुल कोटोकी ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 01412575151 पर 24गx7; हेल्पलाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल dig.jda@rajpolice.gov.in, cce.jda@rajasthan.gov.in, enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

सज्जाद अजीज एडवोकेट अध्यक्ष एवं शुजाअत राजा एडवोकेट सचिव निर्वाचित

-काउंसिल ऑफ़ टैक्स प्रोफेशनल्स के चुनाव संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। काउंसिल ऑफ़ टैक्स प्रोफेशनल्स की कार्यकारिणी के सदस्यों एवं पदाधिकारियों के 7 फरवरी 2026 को चुनाव संपन्न करवाए गए । कार्यकारिणी के चुनाव निर्वाचन अधिकारी सी.ए. रघुवीर सिंह पूनिया के निर्देशन में करवाए गए । कार्यकारिणी के लिए सज्जाद अजीज एडवोकेट को अध्यक्ष, शुजाअत राजा एडवोकेट को सचिव, फ़जलुर्रहमान खान एडवोकेट को उपाध्यक्ष, आफताब खान एडवोकेट को संयुक्त सचिव एवं सरवर आलम एडवोकेट को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया । इसी तरह मोहम्मद रेहान एडवोकेट, सादिक अजीज चार्टर्ड अकाउंटेंट, सैयद मुर्तजा दिलशाद एडवोकेट, शफी मोहम्मद चौहान एडवोकेट, अमजद अली टैक्स सलाहकार एवं जुबैर नकवी एडवोकेट को सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का सदस्य निर्वाचित किया गया । एजीएम के दौरान नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति को विधिवत शपथ दिलाई गई । सभी कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिषद के नियमों, उद्देश्यों तथा पेशेवर गरिमा के पालन की शपथ ली ।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सज्जाद अज़ीज़ एडवोकेट में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में परिषद की भावी कार्य योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कर-जागरूकता पेशेवर प्रशिक्षण एवं संगठन को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया । उन्होंने आगामी अवधि में टैक्स कांफ्रेंस (Tax Conference) आयोजित करने की योजना की घोषणा की, जिससे कर पेशेवरों को नवीन कानूनों एवं व्यावहारिक अनुभवों का लाभ मिल सके । साथ ही उन्होंने परिषद का सदस्य अभियान (Membership Program) प्रारंभ करने की प्रतिबध्दता व्यक्त की, जिसका विस्तार संपूर्ण राजस्थान स्तर पर किया जाएगा । वहीं सचिव शुजाअत राजा एडवोकेट ने परिषद के आगामी कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

टाइम्स इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रवीन्द्र मंच पर पूर्व आईएएस डॉ. बी. एल. जटावत के मुख्य आतिथ्य में टाइम्स इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, पहाडग़ंज, जयपुर का वार्षिक उत्सव भव्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ रवीन्द्र मंच पर पूर्व आईएएस डॉ. बी. एल. जटावत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईपीएस अधिकारी बिशनाराम बिश्नोई ने की । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी असलम शेर खान, हारुन खान, अध्यक्ष अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान, राजस्थान न्याय सेवा की न्यायधीश सुश्री सबा परवीन एवं श्रीमती जाकिया जहाँ, सहायक निदेशक आयुष उपस्थित थे । अपने उद्बोधन में डॉ. बी. एल. जटावत ने कहा कि शिक्षा ही ज्ञान की चाबी है जो विकास के सारे द्वार खोलती है । उन्होने बच्चों की शानदार प्रस्तुति को सराहा । संस्था के निदेशक अब्दुल रज्जाक ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया । प्रधानाध्यापिका सुश्री सकीना मासूम ने विधालय की वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । संस्था की कोर्डिनेटर नोशिबा एवं शिक्षिका नीलोफ़र ने मंच का संचालन किया अंत में अवैतनिक निदेशक फरहत अली ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक समारोह संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रताप नगर, सांगानेर स्थित लिटिल फ्लावर सेकेंडरी स्कूल में रविवार, 15 फरवरी 2026 को वार्षिक समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, गीत और नाट्य मंचन शामिल रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और सभागार तालियों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अबुल हसन कागज़ी, उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सैयद सआदत एवं एस. एम. नासिर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अतिथियों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नक्षत्रा 2026 का भव्य आगाज़, विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में 22 फरवरी 2026 को वार्षिक उत्सव नक्षत्रा 2026 का भव्य एवं धमाकेदार उद्घाटन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. महेश मोहनलाल पुकार का विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से स्वागत-सत्कार किया। दीप प्रज्वलन एवं स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रमाकांत वर्मा सहित डॉ. गजानंद, डॉ. मनजीत, डॉ. विनय जानू, डॉ. आशीष तिवारी एवं डॉ. मोहम्मद नदीम, सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. पुकार ने सभी विद्यार्थियों का

आभार व्यक्त करते हुए सात दिवसीय कार्यक्रम को अनुशासन एवं मर्यादा के साथ संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ टीम भावना और नेतृत्व कौशल को भी विकसित करते हैं। अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रामाकांत वर्मा ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि "कार्यक्रम का आरंभ अत्यंत प्रभावशाली रहा है और आने वाले दिनों में इससे भी बेहतर प्रस्तुतियों की अपेक्षा है।" विशेष आकर्षण के रूप में एम बी बी एस बैच 2025 के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। पूरे परिसर में उत्साह, उमंग और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। सात दिवसीय इस वार्षिक उत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का व्यापक मंच मिलेगा।

महाराणा प्रताप की जन्मस्थली के विकास की मांग

-विधायक भीमराज भाटी ने विधानसभा में बुलंद की आवाज

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। विधायक प्रतिनिधि मदन सिंह जागरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विधायक भाटी ने महाराणा प्रताप की जन्मस्थली को विकसित करने का मुद्दा आज विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाया। पाली की जूनी कचहरी, धानमंडी स्थित स्थान को महाराणा प्रताप का ननिहाल एवं जन्मस्थली माना जाता है, विधायक भीमराज भाटी ने सदन को बताया की इतने वर्षों के बाद भी इस ऐतिहासिक स्थल का समुचित विकास नहीं हो पाया है। आज विधानसभा में पाली के लोकप्रिय विधायक भीमराज भाटी ने इस विषय को मजबूती से उठाते हुए सरकार से मांग की कि जूनी कचहरी, धानमंडी स्थित जन्मस्थली का संरक्षण एवं विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि यह स्थान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे पर्यटन स्थल के रूप में भी

विकसित किया जा सकता है। साथ ही विधायक भाटी ने मांग की कि पाली के मेडिकल कॉलेज का नाम महाराणा प्रताप की मातृ श्री जयवंतादेवी के नाम पर रखा जाए, ताकि उनके योगदान और गौरवशाली इतिहास को उचित सम्मान मिल सके। विधायक भाटी द्वारा सदन में महाराणा प्रताप की जन्म स्थली को विकसित करने तथा उनकी माता जी के नाम से मेडिकल कॉलेज का नाम रखने की मांग करने पर पाली की जनता ने ओर इस संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने विधायक का आभार प्रकट किया।

पूर्व भाजपा सांसद का आचरण दुर्भावना से ग्रस्त, महिलाओं का अपमान और साम्प्रदायिक सोच की निंदा - वुमन इंडिया मूवमेंट

टोंक (रॉयल पत्रिका) । भाजपा के पूर्व सांसद जौनपुरिया ने कल टोंक निवाई विधानसभा के करेड़ा ग्राम में कंबल वितरण के अवसर पर एक नफ़रत भरी राजनीति का परिचय दिया और कंबल वितरण के समय अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को अपशब्द कहे तथा कंबल वापिस ले लिए। वुमन इंडिया मूवमेंट की प्रदेश अध्यक्ष फरीदा सैय्यद ने अपने टोंक प्रवास के दौरान इस घटना पर प्रतिक्रिया कर बयान जारी करते हुए बताया कि एक पूर्व सांसद द्वारा इस तरह का आचरण न सिर्फ सांप्रदायिक दुर्भावना से भरा है बल्कि समाज

को धर्म के नाम पर विभाजित करने और महिलाओं के अपमान किये जाने वाला है वुमन इंडिया मूवमेंट महिलाओं के अपमान को शर्मिंदा करने वाला मानती, इस तरह की राजनीति सिर्फ भाजपा परिवार की रीति नीति को दर्शाती है, क्या एक ज़िम्मेदार व्यक्ति का यह आचरण समाज में नफ़रत को बढ़ावा नही देता क्या? वुमन इंडिया मूवमेंट पूर्व सांसद जौनपुरिया से अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगने की मांग करती है साथ ही सरकार एवं जिला प्रशासन से आशा करती है कि ऐसे सार्वजनिक आयोजनों में दुर्भावना पूर्ण समाज को बाटने वाले बयान देने के लिए पूर्व भाजपा सांसद जौनपुरिया पर उचित कानूनी कार्यवाही करे ताकि भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति भी इस प्रकार की घटना को नहीं दोहराए।

माहे रमजान का महिना, रोजा (उपवास), त्याग, और इबादत के लिए होता है एवं स्वास्थ्य फिट रहता है - डॉ.एफ एच गोरी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित डॉ. एफ एच गौरी-एम डी मेडिसिन फिजिशियन एच. जे. साइकेट्रिक (मनोरोग), एल एल बी, रिटायर्ड प्रोफेसर, पी एम ओ एवं सुप्रीटेंडेंट चुरु, ने माहे रमजान की मुबारकबाद दी। ओर कहा कि रमजान का महीना चाँद के हिसाब से कभी 29 दिन तो कभी 30 दिन का होता है। इस्लाम में 5 फराईज-ए-इमान है। कलमा, शहादत, नमाज, रोजा, जकात, और हज होते हैं। उसमें तीसरा महत्वपूर्ण 'रोजा' एक स्तम्भ है। जिस प्रकार माल की शुद्धता के लिए जकात वाजिब की गयी है। उसी प्रकार शरीर की जकात के रूप में शरीर की शुद्धता के लिए रोजा वाजिब किया गया है। यह शरीर को अशुद्धता को मिटाता है। इस का दूसरा पहलू यह है कि मानव को भूख, प्यास की शिद्दत से गरीबों को होने वाली तकलीफ तथा खाने पिने की कमी से लोगो को होने वाली दुनियावी जिन्दगी का अहसास इन्सानियत की तरफ रुजू करता है। योशिनोरी ओहसुमी एक जापानी साईसदान है जिन्हें फिजियोलोजी एण्ड साइंस के क्षेत्र

में ऑटोफेनी की खोज के लिए सन् 2016 में नोबेल प्राइज से नवाजा गया था। ऑटोफेनी एक प्रक्रिया है जिसमें कोशिका टूटने (मरने) के पश्चात उसके अवशेष अवयवों को शरीर पुनः उपयोग में ले लेता है। रोजा, शरीर को अशुद्ध कोशिकाएँ जिसमें कैंसर कारक तथा हानिकारक कोशिकाएँ होती हैं। उनको नियंत्रित करने में सहायक है। बढ़ते वजन और कोलेस्ट्रोल को भी निर्वत करने में सहायक है। रोजा शारीरिक व मानसिक संतुलन को अच्छा रखता है। आज तो विज्ञान ने भी रोजा रखने पर सकारात्मक निर्णय लिया है। यह इंसान की मशीनरी को निर्यत्रित करने का तरीका है। इसे धर्म से जोड़कर इसान को तन्दरुस्त रहने की इस्लाम ने नेमत अता की है। सावधानी रोजा रखने वालों को सेहरी के वक्त तथा इफ्तार के वक्त आवश्यकता से अधिक मात्रा में भोजन ग्रहण (ओवर डाईटिंग) करने से बचना चाहिए। अत्यधिक गरिष्ठ व वसीय भोजन ना करके सामान्य तथा उचित मात्रा में भोजन करने पर इसका पूरा लाभ मिलता है। इसी प्रकार शरीर के हर अंग का रोजा होता है। रोजों में नियमित कार्य करें, नियमित नींद लें. कभी झूठ ना बोलने की आदत पक्की करें। अश्लील व गलत कार्य नहीं करे ,आँख से गलत नहीं देखना है, जबान से गलत नहीं बोलना है, हाथ से गलत नहीं करना है, पाँव से गलत जगह जाने से रुक जाना है। खूब मन लगाकर अपने रब की इबादत करनी है। लगातार इस प्रकार का संयम रखने पर धीरे-धीरे इंसान को को सही रहने की आदत पड़ती है और रोज़ों का पूरा लाभ प्राप्त होताद है। रोजे से इंसान को पानी की अहमियत समझ में आती है और प्यासे की प्यास महसूस करता है इसलिए व्यर्थ पानी नहीं बहाना चाहिए अन्यथा ये नेमत यूं ही व्यर्थ हो जाएगी।

नगर पालिका की लापरवाही नियमित सफाई के अभाव में रास्तों में भर कीचड़ युक्त गंदा पानी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते कस्बे में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। जहां नगर पालिका के वार्ड नंबर दो तथा वार्ड नंबर तीन के मुख्य रास्ता पूरी तरह से बंद है। मुख्य रास्ते में कीचड़ युक्त गंदा पानी भरा हुआ है। जिसके कारण यहां से लोगों का निकलना दुर्भर हो रहा है। वहीं नालों पर रख फेरो कवर भी पूरी तरह से टूट चुके हैं जिसके चलते लोगों को आवा गमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह रास्ता भरतपुर रोड से मंडावर रोड को जोड़ता है। फजल शाह, नूरी, फुरकान, पप्पी, कल्लू, इरफान, गफूर आदि स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों वार्डो का यह मुख्य रास्ता है। जहां नालों पर रख फेरो कवर टूट चुके हैं। नगर पालिका द्वारा ना तो यहां नालियों की सफाई की जाती है। नई यहां से कचरा

उठाया जाता है। नाले पूरी तरह से अवरुद्ध है ।जिसके चलते घरों से निकलने वाला गंदा पानी कॉलोनी के मुख्य रास्तों पर जमा हो जाता है। इन रास्तों से होकर पैदल चलना भी मुश्किल है कई बार छोटे बच्चे तथा वाहन चालक इन रास्तों में गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं।उन्होंने कई बार नगर पालिका को इस समस्या के बारे में अवगत कराया है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। समस्या को लेकर उन्होंने उपखंड अधिकारी सहित विधायक राजेंद्र मीणा तक को अवगत करवा दिया गया लेकिन इसके बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है जिसके चलते लोगों में गहरा रोज व्याप्त है। उन्होंने बताया कि जल्दी समस्या का समाधान नहीं होने पर नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा। फोटो एम एच सीए, महुवा नगर पालिका के वार्ड नंबर दो व तीन के मुख्य रास्ते पर भरा गंदा पानी व टूटे हुए फैरों कवर।

मामोनी स्वास्थ्य शिविर में 157 मरीजों का उपचार किया

शब्बीर हुसैन

शाहाबाद/बारां (रॉयल पत्रिका) । मामोनी गांव में 23 फरवरी को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।शिविर में 157 मरीजों का उपचार किया गया।इस गांव में सहरिया समुदाय के लोग निवास करते है।शिविर में आये मरीजों को मेडिकल ऑफिसर डॉ. राहुल मेहता ने उपचार कर दवाइयां दी। उन्होंने बताया कि शिविर में दाद, खुजली, खांसी, जुकाम, बुखार, दर्द सहित कई मौसमी बीमारियों का उपचार किया गया। साथ ही महिलाओं में गुप्त रोग संबंधी बीमारियों का इलाज कर दवाइयां दी गयी। संकल्प सोसाइटी मामोनी के चेयरमैन नंदकिशोर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि किशनगंज ब्लॉक दूर-दराज के गांवों में संकल्प सोसाइटी मामोनी द्वारा एसबीआई सिक्योरिटीज के सहयोग से लगातार मेडिकल कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में मेडिकल ऑफिसर डॉ. राहुल मेहता व नर्सिंग ऑफिसर दिनेश राठौर द्वारा मौके पर ही जांचकर दवाइयां उपलब्ध करवाई गयीं। डॉ. राहुल मेहता ने बताया कि अस्पताल दूर होने के कारण सहरिया समुदाय के लोग उपचार से वंचित रह जाते हैं, ऐसे में ये शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रहे हैं। शिविर में महिलाओं व बच्चों में चर्म रोगों के अधिक मरीज पहुंचे।साथ ही शिविर में एसबीआई शाखा प्रबंधक अजय कुमार शाहाबाद ने भी निरीक्षण कर डॉ व मरीजो से बातकर जानकारी ली। शिविर को सफल बनाने में सामाजिक कार्यकर्ता चंदालाल भार्गव, रामनिवास सहरिया, कन्हैयालाल चंदेल सहयोगियों का विशेष सहयोग रहा।

साँस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय बारां में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय बारां में 23 फरवरी 2026 सोमवार को साँस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो मुनेश चंद्र शर्मा, डॉ. लीनता अरोड़ा, सांवरा राम गुर्जर, डॉ. रमन गुप्ता, सुदेश कुमार शर्मा एवं मंथन गोयल द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो मुनेश चंद्र शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए रुचि व उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। वाद विवाद प्रतियोगिता की कार्यक्रम प्रभारी डॉ. लीनता अरोड़ा ने मंच संचालन करते हुए विद्यार्थियों को महाविद्यालय की सभी गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। वाद विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. रमन गुप्ता, प्रो सुदेश कुमार शर्मा एवं प्रो मंथन गोयल रहे, वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुस्कान मेघवाल, द्वितीय स्थान

पर विशाल वर्मा एवं तृतीय स्थान पर प्रियतम भाटी रहे। आशुभाषण प्रतियोगिता के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शमशाद अली ने बताया कि विद्यार्थियों ने विकसित भारत, महिला सशक्तिकरण व नई शिक्षा नीति 2020 पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। आशुभाषण प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. रमन गुप्ता, सुदेश कुमार शर्मा एवं मंथन गोयल ने निभाई। आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुस्कान मेघवाल, द्वितीय स्थान पर विशाल वर्मा एवं तृतीय स्थान पर कशिश मंसूरी रही। निबंध प्रतियोगिता के कार्यक्रम प्रभारी सांवरा राम ने बताया कि प्रथम स्थान पर मुस्कान चौधरी, द्वितीय स्थान पर उमा कुमारी गौड़ एवं तृतीय स्थान पर विशाल वर्मा रहे। विद्यार्थियों ने सभी प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। अंत में प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संचालन पर प्रो सांवराराम गुर्जर ने सभी का आभार व्यक्त किया । 24 फरवरी 2026 को एकल व सामूहिक गायन प्रतियोगिता व भारतीय पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह पर मारपीट के आरोप, किरायेदारों के विवाद में मकान मालिक को बनाया निशाना

विनोद सोखल

बींझबायला/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें राजेंद्र सिंह (थाना प्रभारी, घमुड़वाली) पर पद के दुरुपयोग और मकान मालिक के साथ मारपीट करने के आरोप लगे हैं। घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है और पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, बींझबायला निवासी एक व्यक्ति का 39 एलएनपी क्षेत्र में मकान है। मकान मालिक ने अपना अधिकांश मकान एक माह के लिए किराए पर दे रखा था, जबकि एक कमरे में उसके साथ काम करने वाले पेंटर रहते थे। बताया जा रहा है कि रात के समय किराएदारों के बीच नशीली गोलियों की बिक्री को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि वहां रहने वाले परिवार के दो युवक कथित रूप से नशे की गोलियां बेचने का काम करते हैं।

कमरे में रह रहे पेंटरों ने इसका विरोध किया और कहा कि उनके साथ काम करने वाले लड़कों को नशीली गोलियां न दी जाएं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और मामला थाने तक पहुंच गया।

कैसे बढ़ा विवाद?

सूत्रों के अनुसार, विवाद की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी ने मकान मालिक को पूछताछ के लिए बुलाया। आरोप है कि मकान मालिक के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने के बावजूद, थाना परिसर में उसके साथ मारपीट की गई। परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी ने बिना तथ्यात्मक जानकारी लिए ही मकान मालिक को जिम्मेदार मान लिया और कथित रूप से उसके साथ अभद्र व्यवहार किया।

गणमान्य लोगों से भी अभद्रता के आरोप

घटना की सूचना मिलते ही बींझबायला मंडी से कई गणमान्य लोग थाने पहुंचे। आरोप है कि थाना प्रभारी ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया और मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने के प्रयासों को नजरअंदाज किया।

उठ रहे हैं सवाल:-

क्या किरायेदारों के आपसी विवाद में मकान मालिक को जिम्मेदार ठहराना उचित था?

बिना किसी दर्ज मामले के कथित मारपीट क्या पुलिस प्रक्रिया के अनुरूप है?

क्या उच्च अधिकारी इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाएंगे?

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाए।

इंसानियत की सेवा में 20 ज़रूरतमंद परिवारों को राशन किट दी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से रमजान के मुबारक मौके पर जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि रमजान मुबारक में समिति की तरफ से 20 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। उन्होंने बताया कि इस से पूर्व 17 फरवरी को भी समिति द्वारा 21 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गईं थी। खान ने बताया कि इस राशन किट वितरण में डॉ. अमजद खान, जाकिर खान

दौलतखानी, रमजान खान, नदीम खान मुन्याण, शाजिया जावेद खान मुन्याण, इदरीस रौशन खान, अकरम खान ताजनाण आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। निदेशक सदस्य बिलाल खान लक्की ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

खोथांवाली में चोरी का असफल प्रयास, ग्रामीणों में दहशत — पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/कैंचिया (रॉयल पत्रिका)। खोथांवाली (वार्ड नंबर 1)। गांव के वार्ड नंबर 1 में बीती रात चोरी का एक असफल प्रयास सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने पुलिस से नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

छत से साइकिल उठाई, आहट मिलते ही फरार

जानकारी के अनुसार, देर रात एक संदिग्ध युवक एक मकान की छत पर चढ़ गया और वहां रखी साइकिल को नीचे फेंक दिया। साइकिल गिरने की आवाज सुनकर घर के सदस्य बाहर निकल आए। लोगों की हलचल देखते ही आरोपी मौके से भाग खड़ा हुआ।

पास के घर को भी बनाया निशाना

भागते समय आरोपी ने पास के एक अन्य घर को भी निशाना बनाया। वहां से उसने रसोई में इस्तेमाल होने वाली सिलेंडर की भट्टी उठाई और उसे पास के खेतों की ओर ले जाकर रख दिया। इसी बीच आसपास के लोगों की आवाज और हलचल बढ़ने पर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

ग्रामीणों में रोष, सुरक्षा को लेकर चिंता

घटना के बाद वार्ड नंबर 1 के लोगों में रोष और भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि रात 10 बजे के बाद गांव में कुछ असामाजिक तत्व घूमते दिखाई देते हैं, जिन पर अंकुश लगाया जाना जरूरी है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि:

गांव में नियमित पुलिस गश्त की जाए। रात 10 बजे के बाद संदिग्ध व्यक्तियों की सख्त निगरानी हो। मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए।

पुलिस को दी जाएगी सूचना:-

ग्रामीणों ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को देने की तैयारी की जा रही है, ताकि गांव में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। गांववासियों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ी वारदात की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा का कामली घाट पर महिला मोर्चा द्वारा स्वागत कार्यक्रम हुआ

-संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा ने कहा—"वीरों की भूमि मेवाड़ सनातन स्वाभिमान की प्रतीक"

उदयपुर/राजसमंद (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारत हिन्द क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी एक दिवसीय दौरे पर उदयपुर और राजसमंद पहुंचे। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। दोनों जिलों में अलग-अलग बैठकों का आयोजन कर संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और सनातन जागरण को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में पलाड़ा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल वैचारिक जागरण नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सुरक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। ग्राम स्तर तक समितियों के गठन और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

उद्बोधन में गूंजा सनातन और मेवाड़ का गौरव:-

सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा ने कहा— "सनातन धर्म किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं, यह अनादि और अनंत है। यह जीवन पद्धति है, जो हमें कर्तव्य, करुणा और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाती

है। जब-जब सनातन पर संकट आया, समाज ने संगठित होकर उसका सामना किया है।" उन्होंने अपने संबोधन में वीरों की भूमि मेवाड़ की गौरवगाथा का उल्लेख करते हुए कहा— "मेवाड़ त्याग, बलिदान और स्वाभिमान की धरती है। इस भूमि ने ऐसे वीरों को जन्म दिया जिन्होंने धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मेवाड़ का इतिहास हमें सिखाता है कि अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष करना ही सच्चा धर्म है। आज उसी साहस और एकता की आवश्यकता है।"

राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने कहा— "सनातन की ताकत उसकी विविधता और समरसता में है। हमें नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और इतिहास से जोड़ना होगा। मंदिर और तीर्थ केवल पूजा के स्थान नहीं, बल्कि समाज को संगठित करने के केंद्र हैं।" उन्होंने बताया कि संगठन जल्द ही प्रदेशभर में जनजागरण अभियान और सामाजिक सेवा कार्यक्रम चलाएगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। दोनों जिलों में महिला एवं युवा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

इस मौके पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा) कुंवरानी ऋतिका कुमारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मति सुमनलता व्यास शोभा, कल्पना, मनोज कंवर, माया सेन, पुष्पा, अंजना देवी, पिंकी देवी आदि सेकड़ों संगठन की महिला मोर्चा को पदाधिकारी मौजूद रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

फागोत्सव 2026:

चंग की थाप पर झूम उठा चूरू, फागोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

-साकार संस्थान का आयोजन, राजलदेसर की चंग पार्टी ने बांधा समां

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रंग, उमंग और लोक परंपराओं की जीवंत छटा के बीच रविवार शाम सफेद घंटाघर पर साकार संस्थान की ओर से हुए फागोत्सव–2026 ने शहरवासियों को लोक संस्कृति से सराबोर कर दिया। रतनलाल पारख की स्मृति में बसंत कुमार व संजय कुमार पारख कोलकाता के सौजन्य से हुए इस आयोजन ने चूरू की सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवंत कर दिया। राजलदेसर की श्याम म्यूजिकल ग्रुप चंग पार्टी के कलाकारों ने चंग की थाप पर पारंपरिक फाग गीतों की ऐसी रसधार बहाई कि दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके। 'फाग' के रंगों में रचे-बसे गीतों और लोकधुनों ने मरुभूमि की लोक संस्कृति की महक बिखेर दी। कार्यक्रम में बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई, जिससे वातावरण पारंपरिक उत्सव में बदल गया। कार्यक्रम में पत्रकार पीयूष शर्मा स्मृति

पुरस्कार पत्रकार राहुल शर्मा को तथा पूर्व सभापति रमाकांत ओझा की स्मृति में लोक कलाकार पंकज ओझा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने की। मुख्य अतिथि पूर्व सभापति विजय शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रमोद बाजोरिया, एपीआरओ मनीष कुमार, महेंद्र चौबे, विनोद ओझा, भास्कर शर्मा व हरिप्रसाद पीपलवा उपस्थित रहे। अतिथियों के साथ गुरुदास भारती, नरेंद्र शर्मा, बिजेंद्र दाधीच, हनुमान शर्मा आदित्य, राकेश दाधीच, कौशल शर्मा, हेमंत प्रजापत, अखिलेश दाधीच सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाओं को स्मृति पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत संदीप पाटिल, जगदीश सराफ, संजय सोनी, योगेश गोड़, कानसिंह, पवन शर्मा, सुनील भाऊवाला, मूलचंद दर्जी, अश्वनी व्यास, गौरव दाधीच, हरि मोहता, कमल गोठेचा, राजेश बांठिया, डॉ. शंकर सिंह गोड़, विश्वनाथ राजगुरु, दिनेश स्वामी, विपिन दाधीच व विजय सारस्वत ने किया। संचालन उमेश दाधीच ने किया। खास बात ये थी की फागोत्सव के आयोजन ने यह संदेश दिया कि आधुनिकता की दौड़ में भी लोक संस्कृति की जड़ों को संजोए रखना जरूरी है। चंग की थाप, पारंपरिक वेशभूषा और सामूहिक सहभागिता ने चूरू की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त बनाया।

माहे रमजान इबादत का बेहतरीन महीना है और इंसानियत का पैगाम देता है

-माहे रमजान की दी मुबारकबाद शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि रोजा एक ऐसी ईबादत है जिसके जरिये इंसान के अच्छे अखलाक कि शिक्षा भी होती है। रोजे से खोफे खुदा एवं हमदर्दी रहती और सहायता जैसी अच्छी विशेषताएं पैदा होती है। रोजेदार को दूसरे कि भुख प्यास का एहसास होता है। वो चाहता है के जो लोग भुखे प्यासे और जरुरतमंद है उनकी मदद करें तमाम लोग खुशनसीब है। जो रमजान में जरुरतमंदों कि सहायता करते हैं। अल्लाह पाक इस पाक महीने में हर नेकी का सवाब कई गुणा बढाकर देता है जैसे नफ्ल का सवाब फर्ज के बराबर और एक फर्ज का सवाब 70 फ़र्ज़ के बराबर मिलता है। और रमजान के महीने के रोजे और ईबादत हमारे ईमान और अखलाक को मजबूत करते हैं। यह माह भाईचारा और सद्भाव कि प्रेरणा और इनसानियत कि राह पर चलने की तोफिक देता है शरीअत-ए-इस्लाम नमाज कि पाबंदी के साथ हमें नेक अमल करने नेक इंसान बनने कि हिदायत

देता है। जकात हर मालिके नेसाब पर फर्ज है जकात गरीबों का हक है जकात इस्लाम का अहम रुक्न कुरान–ए-करीम में ईमान के बाद नमाज और उसके साथ ही जकात का जिक्र किया है जकात माली इबादत है ये ऐसी ईबादत है जो कल्ब और रूह का मेल कुचेल भी साफ करती है इन्सान को आल्लाह का मुफलिस बन्दा बनाती है नीज जकात आल्लाह कि अता कि हुई बेहिसाब नेअमतों के एहतराफ और उसका शुक्र बजा लाने का बेहतरीन जरिया है जकात माल का वो हिस्सा है जिसका अदा करना फर्ज है इस्लाम में जकात के जरिये गुरबत खत्म किया जा सकता है इसलिए हर मालिके निसाब जकात अदा करें। रोजा खोलते वक्त खजूर काफी अहमियत रखती है रोजा खोलते ही सबसे पहले खजूर क्यों? रमजान में इफ्तार के वक्त दस्तरख्वान पर सभी फलों के साथ खजूर भी रखा जाता है। सबसे पहले उसे ही खाया जाता है और लोग इसे पसंद भी करते हैं। यह सुन्नत भी है। लेकिन इसके खाने का सही तरीका भी आपको पता होना चाहिए, बताया जाता है कि रोजाना एक रोजेदार को 2 से 3 खजूर से ही शुरुआत करनी चाहिए क्योंकि कुछ लोगों को यह नुकसान कर सकती हैं। रोजा रखने के बाद अगर सीधे भारी भोजन कर लिया जाए, तो पाचन क्रिया पर असर पड़ सकता है। खजूर पेट को हल्का रखकर डाइजेस्टिव सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर बनी रहती है। यह गैस और अपच की समस्या को भी कम करने में सहायक होता है। खजूर रमजान में इसलिए खाया जाता है क्योंकि यह सुपरफूड माना जाता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। अगर रोजेदार दिनभर भूखे रहकर कुछ खाते हैं तो पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है। डाइजेस्टिव सिस्टम को एक्टिव करने के लिए यह फायदेमंद मानी जाती है। शुगर के मरीजों को खजूर का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, डॉक्टरों के अनुसार, शुगर पेशेंट्स सिर्फ 1 खजूर खा सकते हैं, क्योंकि यह शुगर लेवल को बढ़ा सकता है। इसलिए, मधुमे रोगियों को अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही? सेवन करना चाहिए। माहे रमजान इबादत का एक बेहतरीन महीना है।

गीतांजलि विश्वविद्यालय में 'सिनैप्स स्पोर्ट्स 2026' का भव्य समापन समारोह संपन्न

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली यूनिवर्सिटी के वार्षिक खेल महोत्सव सिनैप्स स्पोर्ट्स 2026 का दस दिवसीय आयोजन 11 से 20 फरवरी तक उत्साह और खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस खेल महोत्सव में विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक महाविद्यालयों के 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर 11 खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.के. व्यास रहे। समारोह में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की डीन डॉ. संगीता गुप्ता, एवं अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. मजिंदर कौर, डॉ. अरविंद यादव, डीन (स्नातकोत्तर अध्ययन), गीतांजलि विश्वविद्यालय, गीतांजली कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग की डीन डॉ. विजयम्मा अजमेरा, प्राचार्य डॉ. आलोक रावत एवं डॉ. दिनेश शर्मा, गीतांजली पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी. एल. डाड, गीतांजली कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी के प्राचार्य डॉ. पल्लव भटनागर, गीतांजली

डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. नमित नागर तथा गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. उदीची कटारिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी आलोक तिवारी एवं डॉ. विचित्रा विभूति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समारोह का मुख्य आकर्षण ओवरऑल चैंपियनशिप की घोषणा रही, जिसमें गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने प्रतिष्ठित ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि गीतांजली कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी ने रनर-अप ट्रॉफी हासिल की। कुलपति डॉ. आर. के. व्यास ने विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान करते हुए खिलाड़ियों की टीम भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, एकता और नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करने का माध्यम है। उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए यादगार क्षणों और नई प्रेरणा का संदेश देकर समाप्त हुआ।

उर्स-ए-कादरी पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस

-देर रात तक चला कॉन्फ्रेंस, डटे रहे श्रोता

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। अंचल के महान सूफी विद्वान हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती सैयद इनायतुल्लाह शाह कादरी (रह) व हजरत सैयद मोहम्मद सिद्दीक शाह कादरी के वार्षिक उत्सव उर्स-ए-कादरी के मौके पर फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस का आगाज मौलाना तय्यब ने तिलावत कुरान-ए-पाक से किया तत्पश्चात नन्हे बालक हसनैन हैदर ने अपने रचना छूटे ना कभी तेरा दामन, पेश कर वातावरण को जमा दिया तत्पश्चात फखरे राजस्थान मुख्य रूप से आमंत्रित हाफिज नौशाद अहमद बीकानेर ने सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी की रचना को अपने खूबसूरत आवाज और लहजे में पेश किया, काफिला नूर का और क्या चाहिए, मिल गए मुस्तफा और क्या चाहिए, सुना कर महफिल को झूमने पर मजबूर कर दिया साथ ही कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा की हमें आलिया सूफियों की आदर्श को अपनाकर अपने आप को और समाज को हर बुराई से बचना चाहिए नौशाद बीकानेरी में सारगर्भित विस्तार पूर्वक संबोधन किया इनके बाद फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस की सादात कर रहे शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवर नदीम उल कादरी ने कहा कि हमें हर बुराई से अपने आप को और नस्लों को बचना चाहिए। वर्तमान में युवाओं में बढ़ती नशे की लत से बचाने के लिए सामाजिक स्तर पर एक मजबूत पहल होनी चाहिए। हमें अपने माल की जकात उसके हकदार को अदा करनी चाहिए। खानका-ए-कादरिया के पीठाधीश्वर सैयद अबरार हुसैन कादरी ने सभी कार्यकर्ता उर्स कादरी में व्यवस्था देने वाले सभी को साधु वाद दिया फैजाने औलिया कॉन्फ्रेंस मे मौलाना सैयद गुलाम, अहमद अली शाह शहर काजी, मुस्तफा कादरी, सैयद मोहम्मद ताबिश हुसैन कादरी, मंजूर आलम, रिहान मुस्तफा, सैयद नईम, सैयद अकरम, सैयद सलीम भाई चुरुवी, हसनैन, हसन यासिर एवं आलिम लोगों ने भाग लिया संचालन मौलाना जमील बीकानेरी ने किया, अंत में दुरूदो सलाम पढ़ा गया।

हनुमानगढ़–पदमपुर रूट पर लोक परिवहन में मनमानी

-निर्धारित किराए से अधिक वसूली का आरोप, आम जनता पर ₹5–₹10 का अतिरिक्त बोझ

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/कैंचिया (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले में लोक परिवहन व्यवस्था को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। हनुमानगढ़ से पदमपुर की ओर जाने वाली अधिकांश लोक परिवहन बसों में निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने का आरोप लगाया गया है। यात्रियों का कहना है कि प्रति सवारी ₹5 से ₹10 तक अतिरिक्त किराया लिया जा रहा है, जिससे रोजाना सफर करने वाली आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। स्थानीय यात्रियों के अनुसार, यह वसूली खुलेआम की जा रही है और कई बार पूछने पर भी परिचालक स्पष्ट जवाब नहीं देते। ग्रामीण क्षेत्रों से कामकाज, पढ़ाई और चिकित्सा के लिए आने-जाने वाले लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

RJ 13 PA 6197 बस पर आरोप:-

शिकायत के अनुसार, हनुमानगढ़ से पदमपुर जाने वाली बस नंबर

RJ 13 PA 6197 में भी निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने का मामला सामने आया है। यात्रियों का आरोप है कि किराया सूची प्रदर्शित नहीं की जाती और मनमर्जी से पैसा लिया जाता है।

अधिकारियों की चुप्पी पर सवाल:-

यात्रियों का कहना है कि संबंधित परिवहन अधिकारियों को कई बार मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की सुस्ती के कारण लोक परिवहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

राजनीतिक प्रतिक्रिया पर भी सवाल:-

क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। आमजन का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह वसूली आगे भी जारी रहेगी और जनता इसी तरह पिसती रहेगी।

जनता की मांग:-

निर्धारित किराया सूची बसों में स्पष्ट रूप से चस्पा की जाए।

अतिरिक्त किराया वसूलने वाले संचालकों पर सख्त कार्रवाई हो।

परिवहन विभाग द्वारा औचक निरीक्षण किए जाएं।

शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर सार्वजनिक किए जाएं।

अब बड़ा सवाल यह है कि निर्धारित किराए से अधिक वसूली करने वालों पर कार्रवाई कब होगी? क्या प्रशासन और सरकार इस ओर गंभीरता दिखाएंगे या आम जनता यूं ही अतिरिक्त भार झेलती रहेगी?

डिग्गी-मालपुरा मेगा हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से गाय गंभीर घायल, चालक फरार

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। डिग्गी-मालपुरा मेगा हाईवे पर रातल्या गांव के पास देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना रात करीब 8 बजे हुई, जिसमें गाय के दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया और मौके पर ही भारी रक्तस्राव होने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फागी की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी गाय को टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय निवासी और गो-भक्त तुरंत मौके पर पहुंचे। हालांकि, तब तक ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो चुका था। स्थानीय गौ-सेवक नरेंद्र सिंह, दिनेश रातल्या ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी और चिकित्सक डॉ. रामलाल

शर्मा को बुलाया गया। डॉ. शर्मा ने मौके पर ही गाय का प्राथमिक उपचार किया और रक्तस्राव को रोका। इसके बाद घायल गाय को रातल्या स्थित दादूदयाल गोशाला पहुंचाया गया, जहां उसका आगे का उपचार जारी है। इस दौरान महंत मोरदास, पं. मुरली शर्मा, रोहित शर्मा, शुभम बागड़ा, जितेन्द्र बावड़ी, महेश बागड़ा सहित सैकड़ों गो-प्रेमियों ने उपचार कार्य में सहयोग किया। इस हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने मेगा हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

अब घुटना बदलवाना हुआ आसान: रोबोटिक सर्जरी से कम दर्द, जल्दी आराम

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए, उदयपुर शाखा) के सहयोग से सीएमई (सतत् चिकित्सीय शिक्षा) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विख्यात चिकित्सकों ने भाग लिया। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह ने "रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी" विषय पर विस्तार से जानकारी विडियो के माध्यम से दी। उन्होंने आधुनिक रोबोटिक तकनीक के माध्यम से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी में सटीकता, कम दर्द और शीघ्र रिकवरी के लाभों पर प्रकाश डाला। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. रामावतार सैनी ने "ऑस्टियोआर्थराइटिस: घुटने से जुड़े मिथक और तथ्य, रोबोटिक्स का नया युग" विषय पर विडियो के माध्यम से व्याख्यान दिया। उन्होंने घुटनों की बीमारी से संबंधित

भ्रांतियों को दूर करते हुए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान रोबोटिक तकनीक से ऑपरेशन करवा चुके रोगियों ने भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की तथा अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। डॉ. हरप्रीत सिंह एवं डॉ. राम अवतार ने बताया कि रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की संपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने वाला गीतांजली हॉस्पिटल राजस्थान का पहला मेडिकल कॉलेज है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने की, जबकि सचिव डॉ. प्रशांत अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने दोनों जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जनों की उपलब्धियों से उपस्थित चिकित्सकों को अवगत कराया। वक्ताओं का स्वागत एवं आभार प्रकट करते हुए आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों ने विशेषज्ञों से विभिन्न जिज्ञासाओं के समाधान प्राप्त किए।

जिला खेल स्टेडियम में आयोजित हुआ एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार (विश्व सामाजिक न्याय दिवस) को जिला खेल स्टेडियम में एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव (एक दिवसीय समावेषी मनोरंजक गतिविधि कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों को खेल और गतिविधियों के वातावरण से सहज और सकारात्मक रूप से परिचित कराने के उद्देश्य से गैर-प्रतिस्पर्धी, मनोरंजक और सहभागिता आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, मधुर स्पेशल शिक्षण प्रशिक्षण संस्था सचिव अंजू नेहरा ने दिव्यांग बच्चों के लिए राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को खेल के माध्यम से सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के प्रयास को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने बताया कि इस एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव में उपस्थित दिव्यांग विद्यार्थियों ने कैरम, चेस, लुडो, पजल्स, रिंग टॉस, बेडमिण्टन, चम्मच रेस, गिलास पिरामिड इत्यादि विविध खेलों में भाग लिया। गतिविधियां पूर्णतया दिव्यांग बच्चों के मनोरंजन एवं उन्हें सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बिना रैंकिंग, बिना हार - जीत की थीम पर आयोजित की गई। इस दौरान परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार, निजी सहायक पंकज स्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी लाखन सिंह, वरिष्ठ सहायक मनीष जाखड़, सूचना सहायक नरेन्द्र झोरड़, छात्रावास अधीक्षक नरेश कुमार, कनिष्ठ सहायक पवन थालौड़ सहित दिव्यांग विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामिनवास भुंवाल ने किया।

नो वर्षीय मोहम्मद जैद ने रखा पहला रोजा

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । पवित्र महीना माहे रमजान इस्लाम का रहमतों, बरकतों ओर इबादतों का मुबारक महीना रमजानुल मुबारक के शुरू होने के साथ ही माहे रमजान के रोजे की इब्तिदा हो गई। जिसमें इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग दिन में रोजा रख कर, इबादतों में मशगूल रहते हैं साथ ही इस मुकद्दस महीने में दिल खोल कर अल्लाह के नाम पर खैरात करते है। वही इस्लाम में मर्द, बुजुर्ग, महिलाएं रोजा रखती हैं उन्हीं को देख कर नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखने की जिद करते हुए देख रहे हैं। सांचौर निवासी मोहम्मद रमजान लोहार के नौ वर्षीय बेटे मोहम्मद जैद ने अपना पहला रोजा रखा। दिन भर इबादत में मशगूल रहने के बाद शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोज़ा खोला ओर नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। वही दादी शरीफन बानू ने अपने पौते के रोजा रखने पर फूलों की माला पहना कर हौसला अफजाई की ओर खूब दुआओ से नवाजा। सरदारनी परिवार में मोहम्मद जैद के रोजा रखने पर हौसला बढ़ाया। नन्ही उम्र में रोजा रखने की लगन और उत्साह सराहनीय रहा परिवार जनों ने माला पहनाकर उनका उत्साह वर्धन किया तथा रमजान

में छोटे बच्चों के रोजे समाज में धार्मिक भावना और संस्करो की प्रेरणादायक मिसाल पेश कर रहे हैं।

एसआईआर 2026 के अंतिम प्रकाशन में राजनीतिक दल के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए असलम खोकर

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन की जानकारी देने के लिए आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के प्रतिनिधि असलम खोखर ने वोट चोरी के मामले में भाजपा को क्लीनचिट नहीं दी। उन्होंने कहा मैं एक कार्यकर्ता हूं और मुझसे भी कद्दावर कांग्रेस पार्टी में है। में यह निर्णय कैसे कर सकता हूं और कैसे कह सकता हूं। मैंने ऐसा कोई भी व्यक्तित्व नहीं दिया है।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में

शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है। असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं। अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

सोशल मीडिया बैन के समर्थन में उतरे

कुणाल कपूर

कहा- यह तकनीक के खिलाफ नहीं, बच्चों के हक में है

सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल और एआई के बढ़ते चलन से बच्चों पर पड़ रहे नकारात्मक असर की चपेट में बच्चे जल्दी आते हैं, जिसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और व्यक्तित्व पर पड़ता है। मशहूर अभिनेता कुणाल कपूर ने बच्चों के सोशल मीडिया एक्सेस पर रोक लगाने का सपोर्ट किया। उन्होंने कहा कि यह कदम 'एंटी-टेक्नोलॉजी' नहीं बल्कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए है। कुणाल का कहना है कि सोशल मीडिया के एल्गोरिदम इस तरह बनाए जाते हैं कि बच्चे घंटों स्क्रॉल करते रहें, जिससे उनकी एकाग्रता, नींद और भावनात्मक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। कुणाल कपूर ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक खबर शेयर की, जिसमें लिखा था कि 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने पर सरकार विचार कर रही है।

भाग्यश्री की फिल्मी लव स्टोरी, स्कूल में पढ़ते-पढ़ते हिमालय को दिल दे बैठी थीं 'मैने प्यार किया' एक्ट्रेस

कहते हैं कि किसी भी काम को करने के लिए मेहनत के साथ भाग्य भी जरूरी होता है, लेकिन जिसके नाम में भी भाग्य हो, उसके लिए चीजें खुद-ब-खुद आसान हो जाती हैं। फिल्मों में अपने भोले किरदार से सबका दिल जीतने वाली भाग्यश्री असल जिंदगी में भी बहुत सीधी थीं. उनका ताल्लुक महाराष्ट्र के सांगली राजशाही परिवार से है। उनके पिता का नाम विजय सिंह राव माधवराव पटवर्धन है, जिन्हें खुद म्यूजिक से प्यार है और उन्होंने कई फिल्मों में संगीत भी दिया। बहुत कम लोग जानते हैं कि भाग्यश्री और हिमालय दासानी एक ही क्लास में पढ़ते थे. जहां भाग्यश्री बिल्कुल शांत स्वभाव की थी, वहीं हिमालय सबसे शैतान बच्चों में से एक थे। हिमालय की शैतानियों की वजह से दोनों के बीच हमेशा लड़ाई होती थी। लेकिन दोनों को नहीं पता था कि यह लड़ाई प्यार में बदलने वाली है। एक दिन फोन पर हिमालय ने प्रपोज कर दिया. जब मैंने ये बात अपने पिता को बताई तो उन्होंने साफ-साफ मना करा दिया, जबकि उस वक्त मेरे मन में भी फीलिंग्स थीं। फिल्म 'मैंने प्यार किया' की शूटिंग के दौरान भाग्यश्री और हिमालय दोनों के लिए मिलना मुश्किल हो रहा था. ऐसे में भाग्यश्री ने अपने माता-पिता से उनकी और हिमालय की शादी की बात की, लेकिन वे राजी नहीं हुए. मजबूरी में दोनों ने परिवार की बिना सहमति के शादी की।

आर्यन खान को मिला बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया सम्मानित

सितंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' ने अपनी तेज-तर्रार कॉमेडी और दिलचस्प कहानी के कारण दर्शकों का ध्यान खींचा। ये शो नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 पर पहुंचा और ग्लोबल टॉप 10 (नॉन-इंग्लिश शो) में भी जगह बनाई। इतना ही नहीं, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर इसके पोस्टर दिखना इस बात का सबूत है कि ये सीरीज सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रही है। सीरीज की जबरदस्त सफलता के बाद, आर्यन खान को 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के लिए 'बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला। ये अवॉर्ड उन्हें 75वीं सालगिरह के खास मौके पर दिया गया और उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सम्मानित किया गया।ये उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि है।आर्यन खान ने इस सीरीज को खुद लिखा और डायरेक्ट किया. इसे गौरी खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया. इसमें लक्ष्य ललवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, सहेर, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए। आर्यन खान ने अपने डेब्यू में ही फिल्म मेकिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की सफलता और बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड उनके करियर की बड़ी उपलब्धि है।

लंदन की सड़कों पर रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर का हाथ थामे दिखीं कृति सेनन

कृति सेनन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें वो रूमर्ड बायफ्रेंड कबीर बहिया के साथ नजर आ रही हैं। वो कबीर का हाथ थामे दिखीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी पर्सनल लाइफ को चर्चा में बनी रहती हैं। कृति सेनन के करोड़पति बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट करने की खबरें हैं. दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है। कबीर कृति की बहन नुपूर की शादी में भी गए थे अब कृति और कबीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है कृति सेनन का जो वीडियो वायरल है, उसमें वो रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया संग लंदन की सड़कों पर दिखीं. वो कबीर का हाथ थामे दिखीं। उन्होंने ब्राउन टॉप, डेनिम जींस पहने थे। साथ ही जैकेट पहनी हुई थी। लुक को उन्होंने हाई बूट्स से कंप्लीट किया। ओपन हेयर और लाइट मेकअप उन पर जंच रहा था। वहीं कबीर को ब्लू कलर के ट्रैक सूट में दिखें। कृति और कबीर आपस में बातचीत करते हुए सड़क पर दिखे. बता दें कि कृति सेनन और कबीर ने अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया है. हालांकि, उन्हें कई मौकों पर साथ देखा गया है।

जी म्यूजिक, केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मेगा म्यूजिक डील: टॉक्सिक बनेगी 2026 की सबसे बड़ी साउंडट्रैक सेंसेशन!

यश की फ़िल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर जो क्रेज़ बना हुआ है, वो अब और भी ऊँचाई पर पहुँच गया है। ज़ी म्यूज़िक कंपनी इस फ़िल्म के साथ जुड़ गई है, और यह डील हाल के समय की उनकी सबसे बड़ी और अहम म्यूज़िक एक्विज़िशन मानी जा रही है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा बनाई गई इस फ़िल्म के मेकर्स और ज़ी म्यूज़िक की यह पार्टनरशिप सिर्फ़ एक फ़िल्म तक लिमिटेड नहीं, बल्कि आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए भी एक लंबी क्रिएटिव जर्नी की शुरुआत है। यह कदम फ़िल्म की पैन-इंडिया और ग्लोबल रिलीज़ स्ट्रैटेजी को और मज़बूत बनाता है। फ़िल्म का म्यूज़िक होगा हाई-इम्पैक्ट और मल्टी-कम्पोज़िट धमाका। रवि बसरूर, विशाल मिश्रा और तनिष्क बागची अपने-अपने अलग अंदाज़ के साथ इस म्यूज़िकल वर्ल्ड को आकार देंगे। विशाल मिश्रा चार गाने कंपोज़ कर रहे हैं, तनिष्क बागची एक खास ट्रैक लेकर आ रहे हैं जिसे उन्होंने अर्सलान निज़ामी और फहीम अब्दुल्ला के साथ मिलकर तैयार किया है। वहीं रवि बसरूर एक गाना देने के साथ-साथ फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर भी संभालेंगे। यह एल्बम सिर्फ गानों का कलेक्शन नहीं होगा, बल्कि फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने वाला म्यूजिकल एक्सपीरियंस बनेगा। ज़ी म्यूज़िक कंपनी के सीबीओ सुजल पारेख ने कहा कि टॉक्सिक असली पैन-इंडिया सिनेमा की भावना को दिखाता है – ऐसी कहानी और विज़न जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं से परे हो।

'मुझे रिश्ते का बोझ महसूस होने नहीं देते', तापसी पन्नू ने पहली बार की अपनी शादी और पति के बारे में बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने उस वक्त सभी को हैरान कर दिया था जब उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी रचाई। तापसी की शादी की फोटोज सोशल मीडिया पर जैसे ही आई लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई। क्योंकि तापसी ने बड़े ही गुपचुप तरीके से शादी की थी. ना उन्होंने किसी को बुलाया और ना ही कोई अपडेट शेयर की थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस अपनी शादी के फैसले के बारे में बात की है। इन दिनों तापसी अपनी फिल्म 'अस्सी' के प्रमोशंस में जुटी हुई हैं। इसी के लिए एक्ट्रेस शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में भी पहुंची थीं. इस दौरान उन्होंने अपने रिश्ते के बारे में भी खुलकर बात की। इस पॉडकास्ट में तापसी पूछा गया कि उन्होंने 'जीजाजी' में क्या देखा। इस सवाल के जवाब में तापसी ने कहा कि, 'जीजाजी ने मुझे कभी भी रिलेशनशिप का बोझ नहीं महसूस करने दिया, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं किसी बंधन में हूं। आगे तापसी ने बताया कि, 'कितने सारे लोगों ने मुझे पूछा शादी के बाद कि अब तो शादी हो गई कैसा लग रहा है। पर सच कहूं तो मैं कभी- कभी भूल जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। क्योंकि मैं कुछ भी एक्स्ट्रा फील नहीं करती, कि शादी से पहले ऐसा था या शादी के बाद ऐसा हो गया।तापसी की बातों को सुनकर ही पता चलता है कि वो अपने रिश्ते से और शादी में कितनी खुश हैं। बता दें कि तापसी पन्नू ने दिसंबर 2024 में मैथियास बोए के साथ शादी की थी. शादी से पहले दोनों करीब 13 साल तक रिलेशनशिप में रहे हैं। इसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। तापसी ने राजस्थान से शादी की थी जिसमें केवल उनके करीबी रिश्तेदार और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। तापसी ने कभी अपनी शादी की फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की।

(साभार एजेंसी)

क्रिकेट के बाद हॉकी भी बर्बाद करने की तैयारी में नकवी !

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में खेलों की बदहाली अब छिपाए नहीं छिप रही। क्रिकेट में लगातार विवादों और प्रशासनिक उठापटक के बीच अब हॉकी का संकट भी सड़कों पर आ गया है। ऐसे समय में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी का आगे आकर इज्जत बचाने का दावा करना कई लोगों को राहत से ज्यादा दिखावा लग रहा है। सवाल यह है कि क्या वह सच में मदद करने आए हैं या फिर एक और खेल को राजनीतिक अखाड़ा बनाने की तैयारी है?ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एफआईएच प्रो हॉकी लीग खेलने गई पाकिस्तान हॉकी टीम ने जो खुलासे किए, वे शर्मनाक थे। खिलाड़ियों का आरोप है कि उनके लिए होटल तक बुक नहीं कराया गया। उन्हें घंटों सड़कों पर भटकना पड़ा, खुद खाना बनाना पड़ा और बर्तन धोने पड़े। यह किसी स्थानीय क्लब टीम की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय टीम की दुर्दशा है।

इस विवाद के बाद पाकिस्तान हॉकी संघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने इस्तीफा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया, लेकिन जाते-जाते कप्तान अम्माद शकील बट को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि, विरोध के बाद अंतरिम अध्यक्ष ने इस कार्रवाई को गलत बताया और प्रतिबंध हटाया। अब इस फजीहत के बाद क्रिकेट बोर्ड की एंट्री ने नई बहस छेड़ दी है कि क्या एक और खेल भी सत्ता और सियासत की भेंट चढ़ने वाला है? ऐसे माहौल में मोहसिन नकवी का सामने आना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इज्जत से समझौता नहीं

पाकिस्तान टीम को दिया समर्थन का आश्वासन

होने दिया जाएगा और क्रिकेट बोर्ड हर संभव मदद करेगा। लेकिन आलोचकों का कहना है कि जब क्रिकेट खुद विवादों और अस्थिरता से जूझ रहा है, तब हॉकी में दखल देना समाधान कम और शक्ति प्रदर्शन ज्यादा लगता है। क्या यह वही मॉडल होगा जिसमें प्रशासनिक अव्यवस्था पर पर्दा डालने के लिए पैसों की बारिश कर दी जाए? पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट जियो सुपर के मुताबिक हर खिलाड़ी को 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की सहायता दी गई। पैसा जरूरी है, लेकिन क्या सिर्फ आर्थिक मदद से सिस्टम की सड़ांध दूर हो जाएगी?नकवी पहले से देश के गृह मंत्री और क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख हैं। ऐसे में उनका हॉकी मामलों में अस्थायी दखल कई लोगों को सत्ता केंद्रीकरण जैसा लगता है। मोहसिन नकवी ने कहा, 'हम हॉकी खिलाड़ियों को हर मुमकिन तरीके से मदद देंगे। हम हॉकी के मामलों को आसान बनाने में पूरा सहयोग करेंगे।'

संडे ऑन साइकिल' में शामिल हुए दिग्गज एथलीट, देशवासियों को फिट रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली। नई दिल्ली में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ईएसआईसी ने भी अपनी स्थापना के 75 साल पूरे होने पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर पूर्व हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह, साइकिलिस्ट तन्वी, कोरियोग्राफर अतुल जिंदल, और साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक उपस्थित रहीं।

आईएएनएस से बात करते हुए पूर्व हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री की तरफ से फिट इंडिया मूवमेंट के रूप में एक अच्छी मुहिम शुरू की गई है। इसके माध्यम से देशवासियों को फिट रहने का संदेश दिया जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि हमें कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी मिली है। इसका भी हम जश्न मना रहे हैं। 20 साल

बाद देश में फिर से कॉमनवेल्थ खेलों का आयोजन होने जा रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि पिछली बार से हमारा प्रदर्शन अच्छा होगा। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत बड़ा अवसर है कि वे अपने देश में कॉमनवेल्थ गेम्स खेलेंगे। इससे अच्छी कुछ भी प्रेरणा नहीं हो सकती। रूपिंदर पाल सिंह ने कहा, 'मैं चाहूंगा कि देशवासी न सिर्फ साइकिलिंग बल्कि जब भी उन्हें समय मिलता है, कोई भी शारीरिक व्यायाम करें और खुद को फिट रखें।' साइकिलिस्ट तन्वी ने कहा, 'मुझे यहां सभी पर गर्व है। बहुत भीड़ थी। सूरज निकला भी नहीं था, लेकिन लोग साइकिल चलाने के लिए यहां पहले से ही जमा हो गए थे।'

कोरियोग्राफर अतुल जिंदल ने आईएएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि साइकिल चलाना एक बहुत अच्छा मूवमेंट है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में साइकिल चलाते हैं, तो हम पर्यावरण और अपनी सेहत दोनों का ध्यान रख सकते हैं।'

स्वीटी मलिक ने कहा, 'मैं फिट इंडिया, संडे ऑन साइकिल इवेंट में मेहमान के तौर पर आई हूं। सुबह-सुबह यहां इतने सारे लोगों को अपनी फिटनेस का ध्यान रखते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।' 65 साल की महिला साइकिलिस्ट सुशील अंतिल ने आईएएनएस से कहा कि युवाओं को मोबाईल की दुनिया से बाहर आकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में फिट इंडिया मूवमेंट में हिस्सा लेना चाहिए और खुद को फिट रखने की कोशिश करनी चाहिए।

टी20 विश्वकप में तीन शून्य एक सकारात्मक संकेत, अभिषेक पर शास्त्री का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली- टी20 विश्व कप 2026 में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। तीन मैचों में वह खाता भी नहीं खोल सके और लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए। ऐसे में आलोचनाएं तेज हो गईं, लेकिन पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इसे अलग नजरिए से देखने की सलाह दी है। भारत के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सुपर-8 मुकाबले से पहले शास्त्री ने चौंकाने वाला बयान दिया।

शास्त्री का बड़ा बयान

शास्त्री ने कहा, 'मैं इसे सकारात्मक रूप में देखता हूं कि अभिषेक शर्मा तीन बार शून्य पर आउट हुए हैं। हो सकता है वह टूर्नामेंट के अहम दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाकर रख रहे हों। दूसरी टीमें इस बात से थोड़ा चिंतित होंगी कि अभी तक उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं।' उनका मानना है कि बड़े खिलाड़ी अक्सर महत्वपूर्ण मैचों में अपनी असली क्षमता दिखाते हैं और अभिषेक भी ऐसा कर सकते हैं।

प्लेइंग इलेवन पर क्या बोले-

शास्त्री का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम संतुलित है और प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव की संभावना कम है। नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले में भारत ने दो बदलाव किए थे, कुलदीप यादव की जगह अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को आराम देकर वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था।

इस पर शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम लगभग वही रहेगी। आपके पास गहराई है, विकल्प हैं और हर परिस्थिति के लिए तैयारी है। जब ओस होती है, तो अतिरिक्त गेंदबाज़ी विकल्प की जरूरत होती है। मुझे नहीं लगता कि टीम ज्यादा छेड़छाड़ करेगी।'

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की

- युजवेंद्र चहल ने बारात में डांस किया, क्रिकेटर ने 2023 में पहली पत्नी से तलाक लिया था

यूएई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं। 40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है।

कौन हैं सोफी शाइन?

सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब यूएई में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं। उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कैसलरॉय कॉलेज से पूरी की। सोफी, धवन के इंस्टाग्राम पर आने वाले कई मजेदार वीडियो में भी नजर आती रहती हैं।

पिछले महीने धवन ने सगाई की थी

धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले आईपीएल में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं।

मेडल के बड़े दावेदार एथलीटों के खराब प्रदर्शन की वजह

ओलिंपिक का 'चोकिंग सिंड्रोम'

दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चैम्पियंस को हरा देता है उनका अपना ही नर्वस सिस्टम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी फिगर स्केटर इलिया मालिनिन, जिन्हें दुनिया 'क्वाड गॉड' कहती है, धरती के इकलौते इंसान हैं जो हवा में 4.5 रोटेशन वाला जंप लगा सकते हैं। दिसंबर में उन्होंने एक प्रोग्राम में 7 क्वाड्रुपल जंप लगाकर इतिहास रचा था। वे लगातार 12 अंतरराष्ट्रीय इवेंट जीत चुके थे, लेकिन इटली विंटर ओलिंपिक के फाइनल में कई बार गिरे और सीधे आठवें नंबर पर आ गए। उन्होंने माना कि यह दबाव किसी भी अन्य टूर्नामेंट से बिल्कुल अलग था और नसें सुन्न पड़ गई थीं। यही हाल अल्पाइन स्कीयर माइकेला शिफ्रिन का है। शिफ्रिन के नाम इतिहास में सबसे ज्यादा 108 वर्ल्ड कप जीत दर्ज हैं, लेकिन 2018 के बाद से वे ओलिंपिक रेस में एक भी मेडल नहीं जीत पाई हैं। फ्रीस्कीइंग के आंद्री रगेट्ली भी 57 प्रतिशत पोडियम रेट के बावजूद लगातार तीसरे ओलिंपिक में बिना मेडल के लौट गए। इन एथलीट्स में न टैलेंट की कमी है न तैयारी की, वे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं, फिर भी हार गए।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यह इन दिग्गजों की कोई शारीरिक कमजोरी नहीं है, बल्कि नर्वस सिस्टम की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जब इंसान अत्यधिक सामाजिक दबाव का सामना करता है, तो शरीर इसे बड़े 'खतरे' के रूप में देखता है। आम टूर्नामेंट्स में दिमाग जीतने पर फोकस करता है। लेकिन ओलिंपिक में, जहां दांव पर 'सार्वजनिक अपमान' होता है, शरीर में कोर्टिसोल का स्तर अचानक बढ़ जाता है। एथलीट का दिमाग जीतने के बजाय हार से बचने की मोड में चला जाता है।

विज्ञान की भाषा में 'वेगस नर्व', जो हार्ट रेट कंट्रोल करके शरीर को शांत रखती है, दबाव में काम करना कम कर देती है। इससे नियंत्रण बिगड़ जाता है और सटीक मोटर कंट्रोल छिन जाता है। जो तकनीक खिलाड़ियों ने हजारों बार सफलतापूर्वक की है, दबाव में वे उसके हर स्टेप के बारे में सोचने लगते हैं। इसे 'एक्सप्लिसिट मॉनिटरिंग' कहा जाता है। दिमाग का यह कंट्रोल्ड प्रोसेसिंग उनके नैचुरल फ्लो को पूरी तरह से रोक देता है। ये चीजें दिखाने के लिए काफी हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा मंच ओलिंपिक सिर्फ शारीरिक ताकत का खेल नहीं है, बल्कि दुनिया की नजरों के सामने प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र को हराने की कला भी है।

नए अफगान कोच को देश में ही रहना होगा

जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म, अफगानिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया

तालिबान (एजेंसी)। जोनाथन ट्रॉट के इस्तीफे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) नए कोच की तलाश के अंतिम चरण में है। इस बीच, बोर्ड के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने साफ कर दिया है कि अगले मुख्य कोच और उनके सपोर्ट स्टाफ को ऑफ-सीजन के दौरान अफगानिस्तान में ही रहकर अपना काम करना होगा।

नसीब खान ने कहा, 'हमने कोच के कॉन्ट्रैक्ट में यह शर्त साफ तौर पर रखी है कि उनका ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान ही होगा। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट और युवा खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें। नए कोच की रेस में तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें से दो कोच

दक्षिण अफ्रीका के हैं और एक एशियाई है।

ट्रॉट 2022 से टीम के कोच थे - ट्रॉट ने 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना काम शुरू किया और अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जिसमें आईसीसी प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी जीत शामिल हैं। अफगानिस्तान 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंचा, लेकिन इस साल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया। क्रिकबज से बात करते हुए खान ने कहा कि बोर्ड चाहती है कि राष्ट्रीय टीम के कोच देश के घरेलू क्रिकेट सितारों पर करीब से नजर रखें और ऑफ-सीजन के दौरान राष्ट्रीय टीम की कमजोरियों पर काम करें।

अफगानिस्तान के नए कोच की नियुक्ति कब तक तय होगी?

खान ने खुलासा किया कि ट्रॉट के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले नए कोच को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, जो टी-20 वर्ल्ड कप समाप्त होने के बाद शुरू होगी। एसीबी प्रमुख ने कहा कि फिलहाल शॉर्टलिस्ट में साउथ अफ्रीका के दो और एशिया का एक नाम शामिल है, लेकिन उन्होंने उनके नाम न बताने का फैसला किया। उन्होंने तीन कोचों को शॉर्टलिस्ट किया है और उनके इंटरव्यू भी हो चुके हैं। नियुक्ति फाइनल होने के बाद हम श्रीलंका सीरीज से पहले नए हेड कोच की घोषणा करेंगे। इनमें से दो साउथ अफ्रीका से हैं और एक एशियाई है। हमने अभी तक उनके साथ कॉन्ट्रैक्ट फाइनल नहीं किए हैं, इसलिए उनके नाम बताना जल्दबाजी होगी।

बेटे अगस्त्य और पूर्व पत्नी स्टैनकोविक के लिए हार्दिक का चार करोड़ का तोहफा !

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक भले ही अलग हो चुके हों, लेकिन अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश को लेकर दोनों की समझदारी लगातार चर्चा में है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नई लग्जरी एसयूवी को लेकर फैंस हैरान रह गए। काले रंग की इस शानदार कार की कीमत करीब तीन से चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। नताशा को बेटे अगस्त्य के साथ इस कार के पास पोज देते देखा गया, जिसके बाद यह खबर तेजी से वायरल हो गई। बताया जा रहा है कि यह कार हार्दिक ने बेटे अगस्त्य के लिए खरीदी है। अगस्त्य के साथ स्टैनकोविक भी कार शो रूम साथ पहुंचीं। अगस्त्य स्टैनकोविक के साथ ही रह रहे हैं। इस मौके की तस्वीरें वाहन निर्माता कंपनी ने खुद साझा कीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'हार्दिक पांड्या ने एक बार फिर हमारी कंपनी को अपनी लग्जरी गाड़ी खरीदने के लिए चुना। विश्वास पर बना रिश्ता। उत्कृष्टता पर आधारित निर्णय। मुंबई में अगस्त्य पांड्या और स्टैनकोविक को डिलीवर की गई लैंड रोवर डिफेंडर।' इस कैप्शन के बाद यह चर्चा और तेज हो गई कि क्या यह कार हार्दिक की ओर से एक खास तोहफा है।

अलगाव के बाद भी जिम्मेदारी

जुलाई 2024 में आधिकारिक रूप से अलग होने के बाद भी हार्दिक और नताशा ने बेटे अगस्त्य की संयुक्त परवरिश को प्राथमिकता दी है। दोनों को कई मौकों पर बेटे के साथ समय बिताते देखा गया है। हार्दिक का नाम हाल ही में अभिनेत्री माहिका शर्मा के साथ जुड़ने की खबरों में भी रहा, लेकिन उन्होंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि उनका बेटा उनकी पहली प्राथमिकता है। हार्दिक ने हाल ही में गर्लफ्रेंड माहिका के जन्मदिन पर एक क्यूट वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में दोनों निजी पल बिताते दिखे थे। हार्दिक भारत के टी20 विश्वकप मैचों में भी माहिका के साथ दिखे थे, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था।

अब पाकिस्तान कैसे बना पाएगा सेमीफाइनल में जगह !

पाक-न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके बारिश की वजह से रद्द हुआ

कोलंबो। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण का पहला मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके बारिश की वजह से रद्द हो गया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले इस मैच में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली अगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन इसके बाद मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। आईसीसी के नियमों के तहत सुपर 8 मैचों के लिए कोई रिजर्व डे नहीं है, इसलिए मैच को रद्द कर दिया गया और दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिया गया। जानिए इसके बाद पाकिस्तान को सेमीफाइनल का रास्ता बनाने के लिए किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान के दो मुकाबले बाकी - पाकिस्तान का अगला मुकाबला 24 फरवरी को पल्लेकल में इंग्लैंड के खिलाफ है। इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप की दो बार की चैंपियन टीम है, मगर इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। ग्रुप स्टेज में उन्हें वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था, तो नेपाल ने जीत के लिए पसीने छुड़ा दिए थे। यह पाकिस्तान के लिए एक मौका है, लेकिन पल्लेकल की पिच पर इंग्लैंड के क्लच प्लेयर्स और आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ सतर्क रहना जरूरी होगी। पाकिस्तान के लिए यह मैच केवल जीतना नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीतना भी जरूरी होगा, क्योंकि अब नेट रन रेट की भूमिका अहम हो जाएगी।

28 फरवरी को उसी पल्लेकल स्टेडियम में पाकिस्तान की टक्कर मेजबान श्रीलंका से होगी।

यह ग्रुप 2 का आखिरी मुकाबला होगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट में अपनी घरेलू परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठा रही है। ग्रुप चरण में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सुपर 8 में जगह बनाई। पल्लेकल की पिच स्पिन फ्रैंडली मानी जाती है, जो दोनों टीमों के लिए बराबरी से चुनौतीपूर्ण होगी। यह मैच तब खेला जाएगा जब ग्रुप 2 के बाकी सभी मुकाबले हो चुके होंगे, यानी उस वक्त तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी होगी कि पाकिस्तान को मुकाबला कितने बड़े अंतर से जीतना होगा।

दूसरी टीमों के मैच पर भी रखनी होगी नजर - पाकिस्तान की सेमीफाइनल राह सिर्फ उनके अपने मैचों पर नहीं, बल्कि ग्रुप 2 के उन तीन मुकाबलों पर भी उतनी ही टिकी है जिनमें वे नहीं खेलेगी। 22 फरवरी को पल्लेकल में इंग्लैंड और श्रीलंका आमने-सामने होंगे। यह ग्रुप 2 का दूसरा मैच है और पाकिस्तान के नजरिए से महत्वपूर्ण है। इंग्लैंड और श्रीलंका दोनों के अभी 0 अंक हैं। अगर इंग्लैंड यह मैच जीतते हैं, तो उनके दो अंक हो जाएंगे और 24 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ वे मोमेंटम के साथ उतरेंगे। वहीं अगर श्रीलंका जीतती है, तो इंग्लैंड पर भी दबाव बनेगा और पाकिस्तान के लिए 24 फरवरी का मुकाबला थोड़ा और खुला हो जाएगा। 25 फरवरी को कोलंबो में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मैच होगा। यहां पाकिस्तान किस नतीजे की उम्मीद करे, यह इस पर निर्भर करेगा कि 22 और 24 फरवरी के मैच के नतीजे क्या रहते हैं। अगर श्रीलंका ने 22 को इंग्लैंड को और 25 को न्यूजीलैंड को भी हरा दिया, तो श्रीलंका के चार अंक हो जाएंगे और वे सेमीफाइनल का टिकट लगभग सुरक्षित कर लेंगे। ऐसा होने पर पाकिस्तान के साथ दूसरी जगह के लिए सीधी टक्कर में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड बचेंगी।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया

काबुल ने कार्रवाई की चेतावनी दी

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने देश में हुए हालिया हमलों के बाद अफगानिस्तान में शनिवार रात कम से कम सात आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर सैन्य कार्रवाई की जिसके बाद अफगानिस्तान ने इसके जवाब में आवश्यक और सोच-समझकर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। खैबर-पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में शनिवार को एक आत्मघाती हमले में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सैनिक की मौत हो गई। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान के पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि इस्लामाबाद की शिया मस्जिद पर हमला और शनिवार को बन्नू में हुई घटना समेत आतंकवाद की ये घटनाएं कथित तौर पर खवारिज ने अफगानिस्तान स्थित अपने आकाओं और संचालकों के इशारे पर कीं।

मंत्रालय ने कहा, इन हमलों की जिम्मेदारी फितना अल खवारिज (एफएके) से संबंधित अफगानिस्तान आधारित पाकिस्तानी तालिबान और उनके सहयोगियों तथा इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरसान प्रांत (आईएसपीके) ने ली है। सरकार फितना-अल-खवारिज शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए करती है। इसने कहा कि अफगान तालिबान शासन से बार-बार आग्रह किया गया कि वह आतंकवादी समूहों और विदेशी एजेंटों को पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अफगान क्षेत्र का उपयोग करने से रोके लेकिन इसके बावजूद वह उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा। मंत्रालय ने कहा, इस पृष्ठभूमि में, पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान-अफगान सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी तालिबान, एफएके और उसके सहयोगियों तथा आईएसकेपी से संबंधित सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को खुफिया जानकारी के आधार पर सटीक और कुशलता से निशाना बनाया है। इसने कहा कि पाकिस्तान अंतरिम अफगान सरकार से अपने दायित्वों को पूरा करने की अपेक्षा को दोहराता है। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को यह भी उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाते हुए तालिबान शासन से दोहा समझौते के तहत अपनी इन प्रतिबद्धताओं का पालन करने का आग्रह करेगा कि वह अन्य देशों के खिलाफ अपनी भूमि का उपयोग होने से रोके। इसने कहा कि यह कार्य क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया है, लेकिन हमारे नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बीच, अफगानिस्तान ने एक बयान में चेतावनी दी है कि पक्तिका और नंगरहार प्रांतों पर पाकिस्तानी हमलों का आवश्यक और सोच-समझकर जवाब दिया जाएगा। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमारी सीमाएं और हमारे लोगों की सुरक्षा हमारा पवित्र धार्मिक और राष्ट्रीय कर्तव्य है। इसने कहा, इन हमलों का उचित समय पर आवश्यक और सोच-समझकर जवाब दिया जाएगा। अफगान मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून, पड़ोसियों के अच्छे संबंधों के सिद्धांतों और इस्लामी मूल्यों का स्पष्ट उल्लंघन करार देते हुए कहा कि इन हमलों में आम नागरिक और धार्मिक केंद्रों को निशाना बनाया गया और उसने इसे पाकिस्तान के भीतर खुफिया और सुरक्षा विफलताओं का स्पष्ट प्रमाण बताया। बयान में कहा गया कि अफगानिस्तान सीमा पार से हो रहे लगातार उल्लंघन के सामने चुप नहीं रहेगा और देश को अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने का अधिकार है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच संबंध बिगड़ गए हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान पर आरोप लगाता रहा है कि वह आतंकवादियों को हमलों के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल करने से रोकने में नाकाम रहा है। पिछले साल अक्टूबर में, दोनों पक्षों के बीच संक्षिप्त रूप से सशस्त्र संघर्ष हुआ था। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, इसमें 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक अफगान तालिबान सैनिक मारे गए थे।

1948 में स्थापना के बाद से इजराइल की सीमाएं पूरी तरह मान्य नहीं रहीं

पश्चिम एशिया पर इजराइल के अधिकार को लेकर अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी की अरब और मुस्लिम देशों ने निंदा की

» तेल अवीव, भाषा।

अरब और मुस्लिम देशों ने शनिवार को इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि इजराइल का पश्चिम एशिया के बड़े हिस्से पर अधिकार है। हकाबी ने यह बयान शुक्रवार को प्रसारित एक साक्षात्कार में दिया, जो रूढ़िवादी टिप्पणीकार टकर कार्लसन के साथ था। कार्लसन ने बाइबिल के हवाले से कहा कि अब्राहम के वंशजों को वह भूमि मिलनी थी, जिसमें आज का लगभग पूरा पश्चिम एशिया शामिल होता है और उन्होंने हकाबी से पूछा कि क्या इजराइल का उस भूमि पर अधिकार है। हकाबी ने जवाब दिया, अगर वे सब कुछ ले लें तो भी ठीक होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल अपने क्षेत्र का विस्तार नहीं कर रहा और जिस भूमि पर उसका वैध नियंत्रण है, वहां सुरक्षा का अधिकार रखता है। उनकी इस टिप्पणी पर मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान, इस्लामिक सहयोग संगठन और अरब लीग ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

सऊदी अरब ने इसे कट्टरपंथी और अस्वीकार्य बताया, जबकि मिस्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया और दोहराया कि कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों पर इजराइल की संप्रभुता नहीं है। इजराइल या अमेरिका ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। हकाबी की टिप्पणी की निंदा करने वाले देशों में रविवार को पाकिस्तान भी शामिल हो गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस्लामाबाद, मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान, सीरिया और फलस्तीन के विदेश मंत्रियों तथा इस्लामिक सहयोग संगठन, अरब लीग और खाड़ी सहयोग परिषद के सचिवालयों ने हकाबी के बयान पर कड़ी निंदा की तथा उस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि ये टिप्पणियां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तुत दृष्टिकोण और गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना के विपरीत हैं। बयान में कहा गया कि यह योजना तनाव को नियंत्रित करने और एक व्यापक राजनीतिक समाधान के लिए रास्ता तैयार करने पर आधारित है, जिससे फलस्तीनी लोगों को अपना स्वतंत्र राष्ट्र मिल सके। उल्लेखनीय है कि 1948 में स्थापना के बाद से इजराइल की सीमाएं पूरी तरह मान्य नहीं रहीं और युद्धों और समझौतों के कारण बदलती रही हैं। वर्ष 1967 के छह दिवसीय युद्ध में इजराइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा और गोलान हाइट्स पर कब्जा किया। फलस्तीनी लंबे समय से वेस्ट बैंक और गाजा में पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र राष्ट्र की मांग करते रहे हैं। हाल के वर्षों में इजराइल ने वेस्ट बैंक में बस्तियों का विस्तार किया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह वेस्ट बैंक के विलय की अनुमति नहीं देंगे। 2024 में सीरिया और लेबनान सीमाओं पर भी इजराइल ने सुरक्षा के नाम पर सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। हकाबी लंबे समय से इजराइल और फलस्तीनी लोगों के लिए दो-राष्ट्र समाधान के विचार का विरोध करते रहे हैं। पिछले वर्ष दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि वह ब्रिटिश शासनकालीन फलस्तीनी में रहने वाले लोगों के अरब वंशजों को फलस्तीनी कहे जाने में विश्वास नहीं रखते।

न्यूज ब्रीफ

वेनेजुएला की आम माफी योजना के तहत रिहा होने वाले कैदियों में विपक्षी कार्यकर्ता भी शामिल

» काराकस, भाषा।

वेनेजुएला में राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए कम से कम1,557 लोगों ने इस सप्ताह पारित हुए माफी विधेयक के तहत अपने आवेदन जमा कर दिए हैं और उनके रिहा होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार को पारित किए गए इस कदम से विपक्षी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार रक्षकों, पत्रकारों और महीनों या वर्षों से हिरासत में रखे गए कई अन्य लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने एक तरह से यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा हुआ है।

राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि इससे पहले दक्षिण अमेरिकी देश के अधिकारी दशकों से किसी राजनीतिक कैदी को हिरासत में रखे जाने की बात से इनकार करते रहे हैं। यह पिछले महीने देश की राजधानी काराकस में तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकडने के लिए अमेरिकी सेना की कार्रवाई के बाद नीति में आया नवीनतम बदलाव है। नेशनल असेंबली के नेता जॉर्ज रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा, आज तक1,152 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे कुल आवेदनों की संख्या 1,557 हो गई है जिन पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है और इस समय माफी कानून से लाभान्वित होने वाले सैकड़ों कैदियों को रिहा किया जा रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, एक व्यक्ति की मौत

» कीव, भाषा।

रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिसमें कीव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने रविवार को बताया कि ध्वस्त इमारतों के मलबे से एक बच्चे समेत आठ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हमले के कारण कीव के उपनगरों के पांच जिलों ओबुखिव, ब्रोवरी, बोरिस्पिल, बुचा और फास्तिव में नुकसान हुआ और वहां आग लग गई। फास्तिव जिले के पुत्रिवका गांव में आपातकालीन राहतकर्मी मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए अभियान चला रहे थे।

आपातकालीन सेवा ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना को भी निशाना बनाया, जिससे भीषण आग लग गई। बाद में आग पर काबू पा लिया गया। लगभग चार वर्ष पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से और पिछले वर्ष अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में नई पहल के बावजूद यूक्रेनी नागरिक लगातार हवाई हमलों का सामना कर रहे हैं। रूस ने देश के ऊर्जा ग्रिड को निशाना बनाते हुए हमले तेज कर दिए हैं, जिससे भीषण ठंड के बीच यूक्रेन के नागरिकों को बिजली आपूर्ति से वंचित होना पड़ रहा है।

नेपाल की गौर नगरपालिका में कर्फ्यू की अवधि अनिश्चितकाल तक बढ़ाई गई

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में मधेस प्रांत की गौर नगरपालिका में दो समुदायों के बीच हुई झड़पों के बाद लगाए गए कर्फ्यू की अवधि रविवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दी गई। जिला प्रशासन कार्यालय ने एक नोटिस जारी कर कहा कि पूर्वी मुटबलवा गेट, पश्चिमी लालबकैया बांध, बाम नहर के उत्तर और गौर सीमा शुल्क कार्यालय के दक्षिण में निषेधाज्ञा रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से अगले नोटिस तक प्रभावी रहेगी।

दक्षिणी नेपाल में मधेस प्रांत के रौतहट जिले में दो गुट के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव बढने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया था। बृहस्पतिवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुई, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए। हिंसा की घटना बृहस्पतिवार शाम को गौर नगरपालिका के सपगढ़ा इलाके में उस समय हुई, जब एक समुदाय के सदस्यों ने मस्जिद के सामने संगीत बजाते हुए निकल रही बारात को कथित तौर पर रोक दिया। इसके बाद तनाव बढ़ गया और बाद में हिंसक झड़प शुरू हो गई।

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई

» ढाका, भाषा।

ढाका में नियुक्त उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संवाद को आगे बढ़ाने के लिए भारत उत्सुक है। उन्होंने नई दिल्ली की ओर से ढाका के साथ फिर से सक्रिय रूप से बातचीत की इच्छा व्यक्त की। तारिक रहमान के 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ दिनों बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात के बाद उच्चायुक्त वर्मा पत्रकारों से बात कर रहे थे। वर्मा ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, विदेश मंत्री के साथ आज की बैठक में मैंने अपना रुख दोहराया कि हम बांग्लादेश में नई सरकार के साथ संवाद के लिए उत्सुक हैं।

बैठक में विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद भी शामिल थीं। उच्चायुक्त के अनुसार, उन्होंने बताया कि हम परस्पर हित और पारस्परिक लाभ के आधार पर सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुखी सोच के साथ मिलकर काम करते हुए हर क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं। वर्मा ने इस मुलाकात को एक शिष्टाचार भेंट और प्रारंभिक विचार-विमर्श बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद विदेश मंत्री और राज्य मंत्री के साथ यह उनकी पहली बैठक थी। बारह फरवरी को हुए चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान (60) ने 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन का अंत हो गया। यूनुस के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ संबंधों में गिरावट आई थी और 1971 के बाद यह अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। उच्चायुक्त ने चुनाव में 13 फरवरी को बीएनपी की जीत के तुरंत बाद तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश की ओर इशारा करते हुए कहा, आप बांग्लादेश के साथ हमारे हालिया उच्च स्तरीय संवाद से अवगत हैं। वर्मा ने रविवार को कहा, उन्होंने उस दिन बाद में फोन पर भी बातचीत की। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए ढाका का दौरा किया और बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

नेपाल के कोशी प्रांत में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

काठमांडू, भाषा। नेपाल के कोशी प्रांत में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, 4.1 तीव्रता का यह भूकंप सुबह सात बजकर 31 मिनट पर आया और इसका केंद्र संखुवासभा जिले के रिताक क्षेत्र में स्थित था। संखुवासभा जिला राजधानी काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। भूकंप के झटके पड़ोसी तपलेजुंग और भोजपुर जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। लमजुंग जिले के बंसर क्षेत्र के निकट 11 जनवरी को 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। नेपाल दुनिया में भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील देशों में 11वें स्थान पर है।

मोदी की इजराइल यात्रा से पहले घरेलू राजनीति में खींचतान

» यरूशलम, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित इजराइल यात्रा से पहले घरेलू राजनीति में खींचतान तेज हो गई है, क्योंकि विपक्षी नेता याइर लापिद ने धमकी दी है कि अगर परंपरा के अनुसार उच्चतम न्यायालय के प्रमुख को आमंत्रित नहीं किया गया, तो वह संसद में मोदी के संबोधन का बहिष्कार करेंगे। मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय यात्रा के लिए इजराइल पहुंच सकते हैं। इस दौरान उनका नेसेट (इजराइली संसद) को संबोधित करने का कार्यक्रम है। मोदी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात करेंगे।

विपक्ष के नेता लापिद ने इस बात पर जोर दिया है कि मोदी के संसद को संबोधित करने के कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के प्रमुख यित्जाक एमित को आमंत्रित किया जाए। विपक्षी दल के सूत्रों का कहना है कि यह बहिष्कार का आह्वान नहीं है, बल्कि सरकार जानबूझकर हमें मुश्किल में डालने की कोशिश कर रही है। लापिद ने हाल में संसद को बताया, हमने भारतीय दूतावास से बात की... वे इससे घबराए हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी को अगले बुधवार को इजराइली संसद में आमंत्रित किया गया है, जो हम सभी के लिए सम्मान की बात है। लापिद ने सांसदों से कहा, अगर गठबंधन भारत के प्रधानमंत्री के साथ विशेष सत्र के दौरान उच्चतम न्यायालय के प्रमुख का बहिष्कार करता है, तो हम चर्चा में शामिल नहीं हो पाएंगे। विपक्षी नेता ने कहा, हम नहीं चाहते कि भारत को हमारी वजह से शर्मिंदगी उठानी पड़े, और ऐसा न हो कि एक अरब लोगों के देश के प्रधानमंत्री यहां आधी खाली संसद के सामने खड़े हों। इजराइल की घरेलू राजनीति न्यायिक सुधारों को लेकर तीखी बहस में उलझी हुई है। जनवरी 2025 में यित्जाक के उच्चतम न्यायालय का अध्यक्ष चुने जाने के बाद, न्याय मंत्री यारिव लेविन ने प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनके अधिकार को मान्यता देने से इनकार कर दिया है और उनसे मिलने या न्यायालय के प्रमुख के रूप में उन्हें संबोधित करने से भी मना कर दिया है। देश के कानून के अनुसार, राजपत्र में भी प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका नाम प्रकाशित नहीं किया गया है।

ट्रंप के रिजॉर्ट के सुरक्षा घेरे में घुसने वाले हथियारबंद व्यक्ति को मार गिराया गया

वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट के सुरक्षा घेरे में घुसने वाले एक हथियारबंद व्यक्ति को मार गिराया गया। अमेरिकी खुफिया विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप आमतौर पर सप्ताहांत मार-ए-लागो रिजॉर्ट में गुजारते हैं, लेकिन शनिवार रात को घटना के समय वह व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय) में थे। उन्होंने बताया कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी घटना के समय राष्ट्रपति के साथ व्हाइट हाउस में थीं। अधिकारियों ने मारे गए व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। खुफिया विभाग के मुताबिक,मार-ए-लागो रिजॉर्ट के उत्तरी गेट पर तैनात कर्मियों ने एक व्यक्ति को शॉटगन और ईंधन के कैन के साथ घुसते देखा। विभाग ने बताया कि खुफिया सेवा के एजेंट और पाम बीच काउंटी के शेरिफ के डिप्टी ने व्यक्ति को मार गिराया। इस घटनाक्रम पर व्हाइट हाउस की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क लगने से विश्व व्यापार संगठन में कई व्यापारिक साझेदारों द्वारा चुनौती दी गई

समीक्षा : अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद ट्रंप ने वैश्विक शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया

» ब्रिस्बेन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका सभी देशों से आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर देगा, क्योंकि शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद से इसका असर जारी है। ट्रंप ने पिछले साल आपातकालीन शक्तियों के अधिनियम के तहत व्यापक पारस्परिक शुल्क लगाए थे, लेकिन अदालत ने फैसला सुनाया कि यह कानून उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं देता। शुक्रवार को आए फैसले के बाद ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की आलोचना की थी। ट्रंप ने कहा था कि वह अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के उन न्यायाधीशों को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं जिन्होंने शुल्क के संबंध में अत्यंत निराशाजनक फैसला दिया है। ट्रंप ने हालांकि स्वीकार किया था कि उन्होंने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके मामलों को सरल बनाने की कोशिश की थी।

उन्होंने कहा कि उनके पास अन्य विकल्प भी हैं, लेकिन उन विकल्पों में अधिक समय लगेगा। उनके भाषण का यह हिस्सा बिल्कुल सटीक था। उनके ऐतिहासिक आर्थिक एजेंडे के लिए समय तेजी से गुजर रहा है और अरबों डॉलर के रिफंड का सवाल सामने आ रहा है, ऐसे में ट्रंप आगे क्या कर सकते हैं? ऑस्ट्रेलिया और दुनिया दोनों के लिए अब आगे क्या हो सकता है, यह यहां बताया गया है। 15 प्रतिशत की नई दर, एक अलग कानून का इस्तेमाल करते हुए फैसले के तुरंत बाद लागू किए गए 10 प्रतिशत के वैश्विक शुल्क में वृद्धि है, और इससे कुछ ऑस्ट्रेलियाई निर्यात प्रभावित होंगे कानून के इस खंड का कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि यह राष्ट्रपति को 15 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने की अनुमति देता है और वह भी अधिकतम 150 दिन की अवधि के लिए। लेकिन ट्रंप ने कहा कि पांच महीने की इस अवधि के दौरान, उनका प्रशासन एक और कानून, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के इस्तेमाल की पड़ताल करेगा। यह खंड राष्ट्रपति को उन विदेशी देशों पर शुल्क लगाने की अनुमति देता है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के तहत अमेरिकी अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, या जो

अमेरिकी वाणिज्य को अनुचित, अतार्किक या भेदभावपूर्ण तरीकों से बाधित या प्रतिबंधित करते हैं। हालांकि, इसके लिए कुछ चरणों का पालन करना आवश्यक है। इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया विस्तृत है और इसे पलटा नहीं जा सकता। कम से कम, इसके लिए उन देशों से परामर्श करना आवश्यक है जिनके माल पर ए शुल्क लगाए जाएंगे। धारा 301 का इस्तेमाल पहले भी 2018 में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि द्वारा की गई जांच के बाद चीन पर टैरिफ लगाने के लिए किया गया था। राष्ट्रपति के लिए कांग्रेस को दरकिनार करने का एक और तरीका एक अलग कानून का एक विशिष्ट खंड है, व्यापार विस्तार अधिनियम 1962 की धारा 232, जो अर्थव्यवस्था के एक विशेष क्षेत्र पर लागू होती है। यह वही शक्ति है जिसका इस्तेमाल 2018 में पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क लगाने के लिए किया गया था। हालांकि, इसका इस्तेमाल सभी विदेशी आयातों पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। यह प्रावधान आमतौर पर उत्पाद-विशिष्ट होता है और इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे की जांच-पड़ताल आवश्यक है। इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क लगाने के लिए इसके इस्तेमाल को विश्व व्यापार संगठन में कई व्यापारिक साझेदारों द्वारा चुनौती दी गई है। हालांकि इस उल्लंघन के बावजूद, ट्रंप ने यह सुझाव दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे नहीं हैं। शुक्रवार को आए उच्चतम न्यायालय के फैसले का मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लागू किए गए सभी शुल्क गैरकानूनी रूप से लिए गए थे। यदि सभी एकत्र शुल्क वापस कर दिए जाते हैं, तो अनुमान है कि कुल पुनर्भुगतान लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर (247 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) तक पहुंच सकता है। उच्चतम न्यायालय के फैसले में अवैध रूप से वसूले गए शुल्कों की वापसी की प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया की पिछली 10 प्रतिशत दर कई अन्य देशों की तुलना में काफी कम थी, लेकिन अब 15 प्रतिशत पर आकर स्थिति बराबर हो गई है - कम से कम अगले 150 दिन के लिए। ऑस्ट्रेलियाई निर्यातक इन शुल्कों का भुगतान सीधे तौर पर स्वयं नहीं करते हैं, लेकिन उन पर लागत का कुछ हिस्सा वहन करने का दबाव पड़ सकता है, और इससे अमेरिकी बाजार में उनके आयात की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती है। हालांकि सभी ऑस्ट्रेलियाई निर्यातकों की स्थिति एक जैसी नहीं है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी घोषणा में कुछ अपवादों का उल्लेख किया गया है, जिनमें बीफ, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा उत्पाद और दवाइयां शामिल हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अमेरिका और दुनिया में काफी हद तक निश्चितता लौट आई है। सच्चाई यह है कि अनिश्चितता अभी खत्म नहीं हुई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com